52nd
Year in the Service of Mankind

**Bharat Vikas Parishad**

April, 2016 No. 04 Vol XXXXXIIV

सृष्टि संवत् : 1,96,08,53,118-19 शकसंवत् 1937-38

चैत्र-वैशाख 2072-73 दयानन्दाब्द 192-93 कलि संवत् 5117-18

नीति Niti

Mouth piece of Bharat Vikas Parishad with a circulation of 54000

**National President**

**SITARAM PAREEK**

**MOB.: 0-9322265975 (MUMBAI)**

**National Vice President (HQ) & Editor**

**DR. SURESH CHANDRA GUPTA**

**MOB : 09415334709 (FARRUKHABAD)**

**National Secretary General**

**AJAY DUTTA**

**MOB. : 09417016915 (CHANDIGARH)**

**National Finance Secretary**

**OM PRAKASH KANOONGO**

**MOB. : 09322295253 (MUMBAI)**

**National Organising Secretary**

**SACHIDANAND PANDA**

**MOB. : 09437506798 (BHUBANESWAR)**

**Chairman Prakashan**

**ATAM DEV**

**RESI : 011-27315696 (DELHI)**

**विशेष : शाखा समाचारों की प्रक्रिया में एक बड़ा परिवर्तन।**

प्रकल्प के अन्तर्गत महत्वपूर्ण, समाज के लिए प्रभावी, समाज परिवर्तन में सक्षम ऐसे समाचारों का प्रकाशन किया जायेगा। अभिनन्दनीय, दुर्लभ, प्रेरक घटनाओं को भी सम्मिलित किया जाएगा। शाखा की बैठक, परिवार मिलन, वन विहार आदि सदस्यों के लिए प्रेरक है परन्तु प्रकाशन के लिए न भेजें। मासिक/वार्षिक ब्यौरा 'नीति' का विषय नहीं है। परिषद् के अलावां भी कोई प्रेरक संस्करण या घटना भेज सकते हैं। **-सम्पादक**

**Niti e-paper : This issue is also available on Parishad's website www.bvpindia.com**

**Published & Printed by S.K.Wadhwa for BHARAT VIKAS PARISHAD, Bharat Vikas Bhawan, Plot No. MS-14 AD/BD Block, (Adjoining BD-87), Pitampura, Delhi-110034 Editor : S.K.Wadhwa Printed at: BHAWNA PRINTERS, A-26, Naraina Industrial Area, Phase-II, Delhi-110028 Ph.: 9871577322**

शक की आदत से भयावह कुछ भी नही है, शक लोगों को अलग करती है। यह एक ऐसा ज़हर है जो मित्रता खत्म करता है और अच्छे रिश्तों को तोड़ता है। यह एक कांटा है, जो चोटिल करता है, एक तलवार है, जो वध करती है। **-भगवान बुद्ध**

## CONTENTS

1. सम्पादकीय 4
2. राष्ट्रीय शासी मंडल बैठक 5
3. संगठन के झरोखे से 6
4. राष्ट्रीय शासी मंडल बैठक (प्रेस वार्त्ता) 6
5. National & Regional level Workshop setup for the period 2016-17 7
6. स्वास्थ्य 12
7. Zonal Conference Zone-13 16
8. Place/Date/Venue Regional workshop 2016-17 16
9. Minuts of Apex Body 17
10. अन्य गतिविधियाँ 18
11. इतिहास के झरोखे में नवसंवत्सर 23
12. निराशा के पार 24
13. ऊपर से थोपे हुए संस्कार 24

**विशेष**

1. राष्ट्रीय शासी मण्डल बैठक में माननीय भगय्या जी के भाषण का अंश- पृष्ठ 14 पर
2. आध्यात्मिक व सामाजिक सुदृढ़ता का प्रतीक 'नवसंवत्सर' - डॉ. बसन्ती हर्ष (बीकानेर)

**अप्रैल मास के पर्व एवं राष्ट्र स्तरीय कार्यक्रम**

01 : गुरु तेग बहादुर जयन्ती,
07 : विश्व स्वास्थ्य दिवस,
08 : नवसंवत्सर/गुडी पड़वा,
13 : वैशाखी,
14 : अम्बेडकर जयन्ती
15 : रामनवमी,
20 : महावीर जयन्ती,
22 : हनुमान जयन्ती

Central & Regd. Office:
**BHARAT VIKAS BHAWAN**
Behind Power House,
Pitam Pura, Delhi -110034
Ph: 011- 27313051, 27316049 Fax: 011-27314515
e-mail : niti@bvpindia.com, bvp@bvpindia.com
website : www.bvpindia.com

**Price : Rs. 10.00 Per Copy**
**Annual Subscription : Rs. 100.00**

# सम्पादकीय...

पिछले एक वर्ष में राष्ट्रवादी सरकार के आने के बाद परिस्थितियाँ बहुत तेजी से बदल रही है। आर्थिक विकास, वैश्विक प्रभाव, रक्षा संबंधी प्राथमिकताएं, अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों में जो उच्च सूचकांक परिलक्षित हुए वे उत्साह वर्धक हैं। राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में तथाकथित धर्मनिरपेक्ष ताकतों को अपने अस्तित्व पर प्रश्न चिन्ह और अनुवर्ती गतिविधियों पर विचार करना भी अपेक्षित है। दादरी, हैदराबाद, पूणे, कर्नाटक, केरल और मालदा की घटनाओं का विश्लेषण करें तो यह स्पष्ट है कि अल्पसंख्यकों अथवां दलितों पर घटित घटनाओं को राष्ट्रीय मुद्दा बनाने में मीडिया ने पूरी ताकत झोंक दी। साथ ही बहुसंख्यक समाज पर हुई हिंसक घटनाओं पर मीडिया चुप रहा। ऐसी घटनाओं पर मीडिया बहस को सुनकर समस्याओं से निरपेक्ष पक्ष और युवा वर्ग को यह संभ्रम होता है कि बहुसंख्यक समाज की ही जिम्मेदारी है इन घटनाओं को रोकना। बात यहाँ तक बढ़ जाती है जब राज्य की घटनाओं पर केन्द्र सरकार को और प्रधानमंत्री मोदी जी को जिम्मेदार बताया जाता है।

राष्ट्र विरोध के इस घटनाक्रम में देश के प्रतिष्ठित जवाहरलाल नेहरु विश्व विद्यालय में पाकिस्तान व आतंकवादियों का पक्ष लेकर देश को अपमानित करने, सैनिकों का मजाक उड़ाने और अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर देशद्रोही गतिविधियों ने देश के सामने अस्तित्व का प्रश्न खड़ा कर दिया है। आरक्षण आन्दोलन के मुद्दे पर बहुसंख्यक समाज को विभाजित करने की साजिश को भी इसी दृष्टि से देखना होगा।

मीडिया बहस के समय सैनिकों की शहादत, अभिव्यक्ति की आजादी, आतंकवादियों के महिमा मण्डल पर व्यथित फौजी अफसर गगनदीप बक्शी के देश की सोच पर अपने सैनिकों के स्वाभिमान पर लगी चोट सहन नहीं हुई। 'मैं अकेला रह गया' कहकर बक्सी रो पड़े। यह परिणति है करोड़ों राष्ट्र भक्तों को मौन रहने की। इतिहास साक्षी है कि राष्ट्र भक्ति की मशाल तभी तेज होती है जब देश बार बार इस संकल्प को दोहराता है। समाज के द्वारा राष्ट्रभक्ति का प्रकटीकरण ही उसकी शक्ति का धोतक है। आइये! हम सब देशभक्त नागरिक सजग होकर राष्ट्र विरोधी ताकतों के खिलाफ सक्रिय भूमिका से खड़े हों अन्यथा हम भी इतिहास के पन्नों में सिमट जायेंगे।

**प्रिय पाठकगण!**

विगत कुछ महीनों से नीति के कलेवर में कुछ परिवर्तन किया गया हैं कुछ सदस्यों ने इस परिवर्तन का संज्ञान लिया हैं कुछ सदस्यों के पत्र भी इस निमित प्राप्त हुए। सदस्यों, महिलाओं और बच्चों के लिए प्रेरणाप्रद रोचक सामग्री का समावेश किया गया है। शाखा द्वारा प्राप्त कार्यक्रमों का क्रियान्वयन पक्ष भी प्रकाशित किया जा रहा है। हमारी शाखाएँ तथा सदस्य परिवार कुछ ऐसे कार्य करते हैं जो सदस्यों के लिए प्रेरणास्रोत होते हैं और सामाजिक परिवर्तन के वाहक होते हैं इस अंक में वरूणा शाखा के अध्यक्ष डॉ. एम.के.श्रीवास्तव एवं डॉ. शिप्रा ने संकल्प लिया कि उनके हस्पताल में बेटी का प्रसव नि:शुल्क सम्पन्न होगां वे 102 बेटियों का प्रसव नि:शुल्क करा चुकी हैं। गरीब बच्चियों को पढ़ाना, उपहार देना तो अनुवर्ती कार्य हैं ऐसे प्रसंग हमारे लिए प्रेरक है। कभी भी कहीं भी ऐसे प्रसंग हो तो उन्हें अवश्य भेजें। प्रकल्पों को केवल लीक पिटने के लिए न करें। स्कूल में स्टेशनरी बांटना, किसी की आर्थिक सहायता करना, गौशाला में चारे का सहयोग, अध्यापकों का सम्मान, शाखा की बैठक, वन विहार, सदस्यों का मनोरंजन आदि कार्यक्रम सदस्यों में सक्रियता लाते हैं। लेकिन परिषद् के कार्यक्रम से व्यक्ति परिवर्तन, समाज परिवर्तन और व्यवस्था परिवर्तन हो ऐसा कार्यक्रमों पर विशेष बल देना चाहिए।

**– सम्पादक**

**परिषद् परिवार की ओर से पाठकों को गुरु तेग बहादुर जयन्ती, नव संवत्सर, वैशाखी, राम नवमी, महावीर जयन्ती, हनुमान जयन्ती व बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर जयन्ती की हार्दिक शुभकामनाएँ।**

# राष्ट्रीय शासी मण्डल बैठक

27-28 फरवरी, 2016 को भारत विकास परिषद् की 50वीं दो दिवसीय राष्ट्रीय शासी मण्डल की बैठक हुडा प्रदर्शनी सभागार, सेक्टर-12, फरीदाबाद में वरिष्ठ उद्योगपति, प्रबन्ध विशेषज्ञ श्री सज्जन जैन, जे.पी.गुप्ता तथा हरियाणा सरकार के मुख्यमंत्री के सलाहकार डॉ. योगेन्द्र मलिक के सान्निध्य एवं केन्द्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुई। इस बैठक में देश भर से लगभग 300 राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारियों ने भाग लिया। श्री गुर्जर ने परिषद् के कार्यों की सराहना की। उत्तरदायी नागरिकों के निर्माण के लिए संस्कार और सेवा के कार्यों का उल्लेख करते हुए केन्द्र सरकार की योजनाओं से सहयोग की अपील की। सरकार समाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के द्वारा निर्धन एवं पीड़ित बुजुर्ग एवं साधनहीन लोगों की सेवा कर रही है। परिषद् सिलाई केन्द्र, मूक बधिरों के लिए प्रशिक्षण एवं शिक्षा देने के प्रकल्प चला रही है। इस अवसर पर डॉ. योगेन्द्र मलिक ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम हरियाणा सरकार की सक्रियता का जिक्र किया। उन्होंने होडल तथा महबूबपुर में बेटी के जन्म पर आनन्दोत्सव मनाने तथा शुभकामना देने के परिषद् कार्य की सराहना की जिसके कारण हरियाणा में बच्चों की लैंगिक दर 800 प्रति हजार के बढ़कर 904 लड़कियाँ प्रति हजार हो गई। उद्घाटन सत्र में वरिष्ठ सदस्य श्री हरीश जिन्दल, उपाध्यक्ष, श्री ईश्वर दत्त ओझा, पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं श्री डी.आर.कोटवाल, जम्मू को विकास समर्पित का सम्मान दिया गया।

दूसरे सत्र में सभी सदस्यों को क्षेत्रानुसार समूह बैठकों में चर्चा के लिए आमंत्रित किया गया। छः समूहों में शाखा, प्रान्त और केन्द्र स्तर पर समन्वय, प्रवास, लक्ष्य आदि के साथ प्रान्तीय आख्या प्रस्तुत की गई। क्षेत्रानुसार कार्यशालाओं के आयोजन की तिथि तथा स्थान भी निर्धारित किये गये। इन समूहों की अध्यक्षता श्री सुरेन्द्र कुमार वधवा, केशव दत्त गुप्ता, श्रीमती इन्दिरा बड़ठाकुर, प्रद्युन कुमार जैन, अजीत रमन शाह तथा एन. दौलत राव ने की।

तृतीय सत्र में विभिन्न प्रकल्पों के राष्ट्रीय अधिकारियों द्वारा प्रकल्पों की उपलब्धियों की चर्चा की गई। डॉ. एस.एन.हर्ष ने (स्वास्थ्य एवं चिकित्सा), विनीत गर्ग (राष्ट्रीय समूहगान), डॉ. तरुण शर्मा (भारत को जानो), जीवन राम गुप्ता (संस्कृति सप्ताह एवं प्रेरणाप्रद प्रसंग), रमेश गोयल (पर्यावरण), नीरज गुप्ता (गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन), कासी वी. राव (प्रचार एवं प्रसार), डी.बी. चितले (स्थायी प्रकल्प), मिथिलेश वर्मा (प्रौढ़ साधना), सावित्री वार्ष्णेय एवं उषा अस्थाना (महिला सहभागिता), संजीव बंसल (प्रकाशन), अविनाश ओहरी (उत्तराखण्ड राहत प्रकल्प), अशोक जाधव (समग्र ग्राम विकास), बी.सुब्बा राव (जेनेरिक मेडिसीन) व श्याम शर्मा (कोटा हॉस्पिटल) के बारे में सदन को अवगत कराया। प्रकल्पों की प्रगति, उपलब्धियों एवं महत्वपूर्ण निष्कर्षों पर चर्चा प्रस्तुत की। इसी क्रम में श्री बी.एल.गग्गर ने प्रस्तावित संविधान का वाचन किया। सभी सुझावों का समावेश होकर आदर्श संविधान के ड्राफ्ट को सदन में पारित करने हेतु प्रस्तुत किया। न्यायमूर्ति वी.एस.कोकजे के सहयोग से निर्मित संविधान को ध्वनि मत से पारित किया गया। फरीदाबाद, संस्कार, माधव, अर्जुन, एन.आई.टी. नारायण शाखा के महिला सदस्यों एवं श्रीमती मुंजाल के निर्देशन में एक रोचक सांस्कृतिक संध्या सम्पन्न हुआ इसमें मंदबुद्धि बच्चों के प्रशिक्षण केन्द्र के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी।

28 फरवरी को प्रातः कालीन सत्र में क्षेत्रीय समूहों के अध्यक्षों द्वारा क्षेत्रीय आख्या एवं कार्यशाला के स्थान तथा तिथियाँ घोषित की गई। समापन सत्र से पूर्व सदस्यों के जिज्ञासा समाधान एवं सुझाव का सत्र बड़ा रोचक रहा। श्री कल्याण राय ने वर्तमान परिस्थिति को चुनौतीपूर्ण बताते हुए देश भक्ति और देशद्रोह के संक्रमण काल में परिषद् की प्रभावी भूमिका पर बल दिया। सुरेन्द्र लाहोरिया ने हरियाणा के जन आन्दोलन से उत्पन्न जातीय विद्वेष एवं आर्थिक एवं सामाजिक सद्व्यवहार की क्षति के बारे में निर्देश की इच्छा जताई। दतात्रेय बाल चितले ने सम विचारी संगठनों से अनुशासन एवं सम्पर्क की प्रेरणा लेने की बात कही। उषा अस्थाना ने कॉलेज स्तर पर लड़कियों के स्वास्थ्य समस्याओं एवं काउन्सिलिंग के लिए आग्रह किया। शिव दयाल मंगल ने मेल के साथ लिखित सूचनाओं का आग्रह किया। दिनेश कोगटा ने प्रभावी किट की आपूर्ति केन्द्र द्वारा करने की बात कही। डॉ. वाल्मीकि कुमार, कमल जैन, सावित्री वार्ष्णेय, के.एस.मंगल, हरिश चन्द्र गुप्ता, मुरलीधर मखीजा, एम.पी.गुप्ता, अशोक वशिष्ट, ब्रह्मानन्द पेशवानी, उमेश वर्मा, बी.एल.कुमावत आदि ने युवा सहभागिता, प्रौढ़ साधना, कार्यशालाओं में द्विपक्षीय चर्चा, रक्त एवं नेत्र दान के विधिक पहलू, योग दिवस, नीति में अंग्रेजी समाचारों का आभाव, परिषद् के कार्यालय का निर्माण, लोकप्रिय प्रकल्पों का भ्रमण, कार्यशाला के लिए विशेषज्ञ टीम की तैयारी आदि विषयों पर विचार रखे।

समापन सत्र में फरीदाबाद की छः शाखाओं को बैठक की व्यवस्था, आवास, भोजन, सभागार तथा यातायात विभाग की व्यवस्था के लिए सम्मानित किया गया। केन्द्र की ओर से प्रान्तीय टीम श्री राजकुमार अग्रवाल, एस.एन.बंसल, अरुण सर्राफ, शमशेर प्रकाश गोयल, सोहन लाल अग्रवाल, सुरेन्द्र जग्गा, दिनेश अग्रवाल को सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम पारीक ने बैठक का निष्कर्ष प्रस्तुत किया। समापन मार्गदर्शन श्री वी. भागय्या जी द्वारा किया गया। मा.भागय्या जी के उद्बोधन के सम्पादित अंश इसी अंक में प्रकाशित है।

संगठन के झरोखे से

इस अंक में शासी मंडल की आख्या, माननीय भगय्या जी का प्रेरक मार्गदर्शन, परिषद् के नये संविधान का अंगीकरण तथा इसी आधार पर वर्ष 2016-17 के संगठन तथा प्रकल्प के दायित्वधारियों की सूची प्रकाशित की गई है। प्रशासनिक व्यवस्थाओं में जब परिवर्तन होता है तो क्षेत्रीय संतुलन, सदस्यों की कार्य क्षमता, गुणवत्ता आदि पर विचार करने के उपरान्त निर्णय लिये जाते हैं। लम्बे समय तक काम करने के कारण कभी-कभी कार्य, प्रकल्प और क्षेत्र से हमारा बड़ा मोह हो जाता है। यह स्वभाविक, मानवीय प्रकृति है। इसलिए बार-बार दायित्वधारियों को मानवीय जीवन मूल्यों के साथ ''संगठन और विचार प्रथम'' यह आभास कराया जाता है। मैं कुछ नहीं हूँ। सागर में एक बूंद के समान मेरा अस्तित्व है। बूंद का अपना कोई अस्तित्व नहीं होता लेकिन एक-एक बूंद मिलकर ही सागर बनता है। यह स्मरण रखना अपेक्षित है।

परिषद् के स्थापना काल में पाँच दस लोगों का समाज के बारे में चिन्तन करना कुछ गोष्ठियाँ करना, कुछ कार्यक्रम चलाना यही था। तब मनीषी लाल हंसराज जी, डॉ. एल.एम.सिंघवीं, श्री जगमोहन, न्यायमूर्ति रामा जॉयस, न्यायमूर्ति धानुका जैसे इतिहास पुरुषों का व्यक्तित्व भारत विकास परिषद् के लिए गौरव की बात थी। उ०प्र० के कार्य विस्तार में न्यायमूर्ति जगमोहन लाल सिन्हा और महीयसी महादेवी वर्मा के व्यक्तित्व के कारण कार्य विस्तार में सुगमता रही। अर्थात् व्यक्तित्व आधारित संगठन का विस्तार और प्रचार सुगमता से हुआ। हम स्वर्ण जयन्ती मना चुके। 1247 शाखाएँ 55000 सदस्य परिवार सैकड़ों स्थायी प्रकल्प, हर नगर के ख्यातनामा लोग, प्रशासनिक अधिकारी, राजनेता, साहित्यकार, व्यवसायी परिषद् के बारे में अच्छे विचार रखते हैं। परिषद् के महत्व के कारण सदस्यों का सामाजिक स्तर भी महत्वपूर्ण बन जाता है। वर्तमान में हम कार्यकर्त्ता और कार्यक्रम के आधार पर महत्वपूर्ण हैं संगठन में नेतृत्व, सामूहिक निर्णय, सामूहिक विचार हमारी विशेषता है।

नई रचना में दायित्व और क्षेत्र का विभाजन सामूहिक विचार विमर्श से किया गया। अब हमको ''यदि'' सोचने का विकल्प नहीं है। कार्य का विस्तार, गुणवत्ता की दृष्टि से प्रकल्पों का प्रभावशाली क्रियान्वयन हमारा दायित्व हैं उपलब्धियाँ तो सामूहिक होती है। लेकिन हमें अपना शत प्रतिशत देने को तैयार रहना चाहिए। इस वर्ष शासी मण्डल की बैठक में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, नशा मुक्ति जागरूकता, वर्षा जल संरक्षण, ग्रामीण विकास, सामूहिक सरल विवाह, रक्तदान और नेत्रदान विषयों पर बड़ा अभियान चलाने का संकल्प लिया गया है। केन्द्रीय नेतृत्व ने लिया संकल्प, हमारा संकल्प है इसे हम मंजिल तक पहुँचायेंगे।

**-सम्पादक**

## राष्ट्रीय शासी मण्डल बैठक (प्रेस वार्ता)

**फरीदाबाद ( हरियाणा दक्षिण ) :** 26 फरवरी, 2016 को किसान भवन, सेक्टर-16 में राष्ट्रीय शासी मण्डल की बैठक से एक दिन पूर्व राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने प्रेस मीडिया को बताया कि परिषद् द्वारा इस वर्ष पूरे देश में राष्ट्रहित से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। बेटी बचाओ, बेठी पढ़ाओ, जल संरक्षण अभियान के साथ नशा मुक्ति के खिलाफ अभियान तेज किये जायेंगे। हर प्रदेश में परिषद् की टीमें रक्तदान शिविरों का आयोजन करेंगी। नेत्र दान तथा देहदान के प्रति जनचेतना पैदा की जायेगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम पारीक ने परिषद् के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि परिषद् ने 2016-17 के लिए प्रस्तावित कार्य योजना तैयार की है। 27-28 फरवरी को हुडा प्रदर्शनी सभागार में दो दिवसीय राष्ट्रीय शासी मण्डल की बैठक होगी। राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र कुमार वधवा, राष्ट्रीय महामंत्री श्री अजय दत्ता, राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. सुरेश चन्द्र गुप्ता, चेयरमैन आयोजन समिति श्री चन्द्रसेन जैन, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी श्री कासी वी.राव ने विचार प्रकट किये। प्रान्तीय अध्यक्ष (हरियाणा दक्षिण) श्री राज कुमार अग्रवाल ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्घाटन शनिवार 27 फरवरी सुबह दस बजे केन्द्रीय राज्य मंत्री माननीय श्री कृष्ण पाल गुर्जर करेंगे। कार्यक्रम में फरीदाबाद के विधायक विपुल गोयल, क्राउन ग्रुप के चेयरमैन जे.पी.गुप्ता, लखानी ग्रुप के चेयरमैन के.सी.लखानी, इंडो ग्रुप के चेयरमैन एस.के. जैन विशिष्ट अतिथि होंगे। सायं में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जायेगा जिसमें मुख्य संसदीय सचिव सीमा त्रिखा, बल्लभगढ़ के विधायक श्री मूलचंद शर्मा विशिष्ट अतिथि होंगे।

कार्यक्रम संयोजक दिनेश अग्रवाल, अरुण सर्राफ, अनिल गुप्ता, प्रमोद टिबड़ेवाल, डॉ. ललित अग्रवाल, राकेश गुप्ता, प्रदीप टिबड़ेवाल, संजीव शर्मा, मयंक पारीख, जितेन्द्र जैन, अशोक जोशी, मनोज गुप्ता की भूमिका रहेगी। प्रान्तीय महासिचव एस.एन.बंसल ने बताया कि पूरी टीम तन्मयता से जुटी हुई है।

## भारत विकास परिषद् अब मोबाइल पर उपलब्ध

आप किसी स्मार्ट फोन पर परिषद् का वेबसाइट का होमपेज अपने होम स्क्रीन पर पिन करें तथा सभी लिंक का उपयोग करें। इनमें भारत को जानो तथा राष्ट्रीय समूहगान की लिंक भी www.bvpindia.com पर उपलब्ध है।

## BHARAT VIKAS PARISHAD
## National & Regional level setup for the period 2016-18

**National Level**

| | | | |
|---|---|---|---|
| **1.** | **National President** | Shri Sitaram Pareek | Mumbai |
| **2.** | **National Vice President - Head Office** | Dr. Suresh Chandra Gupta | Farrukhabad |
| **3.** | **National Vice President - North** | Shri Surinder Kumar Wadhwa | Delhi |
| **4.** | **National Vice President - North Central** | Shri Keshav Dutt Gupta | Agra |
| **5.** | **National Vice President - East** | Dr. (Smt.) Indira Barthakur | Guwahati |
| **6.** | **National Vice President - Central** | Shri P.K.Jain | Kota |
| **7.** | **National Vice President - West** | Shri Ajit Raman Lal Shah | Ahmedabad |
| **8.** | **National Vice President - South** | Shri N. Daulath Rao | Bangalore |
| **9.** | **National Secretary General** | Shri Ajay Dutta | Chandigarh |
| **10.** | **National Finance Secretary** | Shri Om Prakash Kanoongo | Mumbai |
| **11.** | **National Organizing Secretary** | Shri Sachidananda Panda | Bhubaneswar |
| **12.** | **National Auditor General** | Shri Sampat Khurdia | Mumbai |
| 13. | National Addl. Secy. General - Finance & Accounts | Shri Sanjeev Kumar Bansal | Moradabad |
| 14. | National Addl. Secy. General - Head Office | Shri Chander Sain Jain | Rohtak |
| 15. | National Addl. Secy. General - North | Shri Vineet Garg | Delhi |
| 16. | National Addl. Secy. General - North Central | Dr. R.B. Srivastava | Raebareli |
| 17. | National Addl. Secy. General - East | Shri Girish Prasad Singh | Ranchi |
| 18. | National Addl. Secy. General - Central | Shri Arun Daga | Gwalior |
| 19. | National Addl. Secy. General - West | Shri Dattatreya Bal Chitale | Pune |
| 20. | National Addl. Secy. General - South | Shri Ramesh Chander Jain | Vishakhapatnam |

**Chairman Project Committees:**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 21. | National Chairman (Sewa) | Shri Yash Paul Gupta | Ludhiana |
| 22. | National Chairman (Sanskar) | Shri Jivan Ram Gupta | Orai |
| 23. | National Chairman (BKJ & GVCA) | Shri Neeraj Gupta | Mumbai |
| 24. | National Chairman (NGSC) | Dr. Shubh Karan Jain | Mumbai |
| 25. | National Chairman (Gram Vikas) | Shri Ashok Jadhav | Dewas |
| 26. | National Chairperson (Mahila & Bal Vikas) | Smt. Savitri Varshney | Aligarh |
| 27. | National Chairman (Sampark,Prakashan & Website) | Shri Atam Dev ji | Delhi |

**National Secretaries:**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 28. | National Secretary (BKJ & GVCA) | Dr. Tarun Sharma | Agra |

| | | |
|---|---|---|
| 29. National Secretary (Sampark) | Shri Mithilesh Kumar Verma | Motihari |
| 30. National Secretary (Sanskar) | Shri Ajay Bansal | Gwalior |
| 31. National Secretary (Sewa) | Shri Nidhish Gupta | Delhi/Noida |
| 32. National Secretary (Legal) | Shri B.L.Gaggar | Mumbai |
| 33. National Secretary (Mahila & Bal Vikas) | Smt. Avinash Sharma | Jind |
| 34. National Secretary (NGSC) | Dr. Tribhuwan Sharma | Bikaner |
| 35. National Secretary (Gram Vikas) | Shri Rakesh Kumar Gupta | Bhiwadi |
| 36. National Secretary (Prakashan) | Shri Mahesh Sharma | Delhi |
| 37. National Secretary (Editor Gyan Prabha) | Dr. Champa Srivastava | Raebareli |
| 38. National Secretary (North) | Shri Rakesh Sehgal | Chandigarh |
| 39. National Secretary (North) | Dr. Anil Kalia | Jalandhar |
| 40. National Secretary (North) | Shri Shriniwas Bihani | Fazilka |
| 41. National Secretary (North) | Shri Sudhir Verma | Ambala Cantt. |
| 42. National Secretary (North) | Smt. Shashi Azad | Delhi |
| 43. National Secretary (North Central) | Shri Sunil Khera | Rudrapur |
| 44. National Secretary (North Central) | Shri Manoj Goel | Haridwar |
| 45 National Secretary (North Central) | Kulbhushan | Sahibabad |
| 46. National Secretary (North Central) | Shri Mukesh Jain | Lucknow |
| 47. National Secretary (North Central) | Shri Brahma Nand Peshwani | Varanasi |
| 48. National Secretary (East) | Justice Manoranjan Mohanty | Bhubaneswar |
| 49. National Secretary (East) | Shri S.L.Chakrovarthy | Guwahati |
| 50. National Secretary (East) | Shri Swadesh Ranjan Goswami | Guwahari/Kolkata |
| 51 National Secretary (East) | Shri Bimal Kumar Jain | Patna |
| 52. National Secretary (East) | Dr. Balmiki Kumar | Dhanbad |
| 53. National Secretary (East) | Smt. Geeta Patnayak | Bhubaneswar |
| 54. National Secretary (Central) | Shri Jayant Vaishampayan | Dewas |
| 55. National Secretary (Central) | Shri Rajesh Jain | Katni |
| 56. National Secretary (Central) | Shri Sitaram Goyal | Kota |
| 57. National Secretary (Central) | Shri D. D. Sharma | Pali |
| 58. National Secretary (West) | Shri Girish Doshi | Satara |
| 59. National Secretary (West) | Smt. Mangala Madhav Savadikar | Nasik |
| 60. National Secretary (West) | Shri Vallabhbhai M. Ramani | Ahmedabad |
| 61. National Secretary (South) | Shri P. S. Gopinath | Kochi |
| 62. National Secretary (South) | Shri V. Sankar | Chennai |
| 63. National Secretary (South) | Shri Dhulipal Purushotam Sastry | Rajahmundry |
| 64. National Secretary (South) | Shri Jagadish M. Maligi | Dharwad |

| | | |
|---|---|---|
| 65. National Secretary Finance (North) | Shri Harinder Gupta | Patiala |
| 66. National Secretary Finance (North Central) | Shri Anirudh Aggarwal | Ghaziabad |
| 67. National Secretary Finance (East) | Shri Pawan Kumar Lilha | Kolkata |
| 68. National Secretary Finance (Central) | Shri Mal Chand Garg | Kishangarh |
| 69. National Secretary Finance (West) | Shri Raj Kumar Bhagat | Ahmedabad |
| 70. National Secretary Finance (South) | Shri Narpat Raj F. Jain | Vijayawada |

**Regional Level**

| | | |
|---|---|---|
| 1. Regional Secretary - North | Dr. Vipin Dhingra | Phagwara |
| 2. Regional Secretary - North | Shri Rakesh Sachdeva | Moga |
| 3. Regional Secretary - North | Shri Sushil Sharma | Pathankot |
| 4. Regional Secretary - North | Dr. Rajesh Kumar Puri | Moga |
| 5. Regional Secretary - North | Dr. (Smt.) Santosh Gupta | Jammu |
| 6. Regional Secretary - North | Shri Radhe Sham Mahajan | Dinanagar |
| 7. Regional Secretary - North | Smt. Archana Singhal | Delhi |
| 8. Regional Secretary - North | Dr. Vasudev Bansal | Narwana |
| 9. Regional Secretary - North | Shri Praveen Singhal | Ganaur |
| 10. Regional Secretary - North | Shri Joginder Madan | Karnal |
| 11. Regional Secretary - North | Shri Surinder Lahoria | Hissar |
| 12. Regional Secretary - North | Shri Madan Malik | Delhi |
| 13. Regional Secretary - North | Shri C.P. Ahuja | Fatehabad |
| 14. Regional Secretary - North | Shri Sewa Singh Chawla | Faridkot |
| 15. Regional Secretary - North | Shri Ramesh Chander Goyal | Sirsa/Delhi |
| 16. Regional Secretary - Central | Shri Ashok Vashishth | Kota |
| 17. Regional Secretary - Central | Shri Raman Chaddha | Dewas |
| 18. Regional Secretary - Central | Shri Pradeep Aggarwal | Ujjain |
| 19. Regional Secretary - Central | Shri Anil Chordia | Pali Marwar |
| 20. Regional Secretary - Central | Dr. K. S. Mangal | Gwalior |
| 21. Regional Secretary - Central | Dr. Bhanwar Lal Hirawat | Udaipur |
| 22. Regional Secretary - Central | Dr. (Smt.) Santosh Godha | Udaipur |
| 23. Regional Secretary - Central | Shri Balraj Acharya | Bhilwara |
| 24. Regional Secretary - Central | Shri Mukan Singh Rathore | Bhilwara |
| 25. Regional Secretary - Central | Shri Hari Prasad Sharma | Swaimadhopur |
| 26. Regional Secretary - Central | Shri Ghanshyam Sharma | Suratgarh |
| 27. Regional Secretary - Central | Shri Arvind Garg | Bilaspur |
| 28. Regional Secretary - Central | Shri Yudhishther Trivedi | Banswara |
| 29. Regional Secretary - Central | Shri Rajendra Prasad Kothari | Bhilwara |

| | | |
|---|---|---|
| 30. Regional Secretary - Central | Dr. Madan Gopal Varshney | Udaipur |
| 31. Regional Secretary - Central | Shri Pawan Kumar Aggarwal | Kishangarh |
| 32. Regional Secretary - Central | Smt. Jyoti Jain | Indore |
| 33. Regional Secretary - Central | Shri Santosh Gupta | Gangapur City |
| 34. Regional Secretary - North Central | Dr. Sanjeev Jain 'Kadanki' | Lalitpur |
| 35. Regional Secretary - North Central | Shri Bharat Bhushan Juneja | Kanpur |
| 36. Regional Secretary - North Central | Shri Kawal Sahni | Kanpur |
| 37. Regional Secretary - North Central | Shri Pramod Dadu | Kanpur |
| 38. Regional Secretary - North Central | Shri Ramesh Lalwani | Varanasi |
| 39. Regional Secretary - North Central | Smt. Usha Asthana | Lucknow |
| 40. Regional Secretary - North Central | Smt. Beena Aggarwal | Meerut |
| 41. Regional Secretary - North Central | Dr. Nitin Dalabh | Sambhal (U.P.) |
| 42. Regional Secretary - North Central | Shri Hari Narayan Chaturvedi | Agra |
| 43. Regional Secretary - North Central | Shri Rajeev Aggarwal | Agra |
| 44. Regional Secretary - North Central | Shri Anurag Dublish | Mawana Meerut |
| 45. Regional Secretary - North Central | Shri Shiv Nandan Gupta | Allahabad |
| 46. Regional Secretary - North Central | Shri Ajay Kumar Bishnoi | Moradabad |
| 47. Regional Secretary - North Central | Shri Satish Chander | Meerut |
| 48. Regional Secretary - North Central | Shri Brijendra Singh Verma | Agra |
| 49. Regional Secretary - North Central | Dr. Harish Chandra Gupta | Raebareli |
| 50. Regional Secretary - North Central | Shri Sanjeev Jain | Ferozabad |
| 51. Regional Secretary - North Central | Shri Naveen Kumar | Khurja |
| 52. Regional Secretary - North Central | Shri Bhagwan Sahai Aggarwal | Haldwani |
| 53. Regional Secretary - North Central | Dr. (Smt.) Divya Lahri | Aligarh |
| 54. Regional Secretary - North Central | Shri Shashi Bhushan Gupta | Kannouj |
| 55. Regional Secretary - West | Shri S. S. Gupta | Mumbai |
| 56. Regional Secretary - West | Shri Jagdish R. Rana | Ahmedabad |
| 57. Regional Secretary - West | Shri Vinodhbhai H. Shah | Ahmedabad |
| 58. Regional Secretary - West | Shri Umesh Rathi | Nasik |
| 59. Regional Secretary - West | Shri Rajendra Jog | Pune |
| 60. Regional Secretary - West | Shri Bharatbhai Chimanlal Thakkar | Harij |
| 61. Regional Secretary - West | Smt. Sujata Khatavkar | Pune |
| 62. Regional Secretary - West | Shri Himmatsingh N. Rathod | Ahmedabad |
| 63. Regional Secretary - West | Shri K. K. Aggarwal | Mumbai |
| 64. Regional Secretary - West | Shri Sudhir Joglekar | Thane |

| | | |
|---|---|---|
| 65. Regional Secretary - East | Dr. Raj Ranjan Prasad | Darbhanga |
| 66. Regional Secretary - East | Shri Udai Chand Gupta | Nalanda |
| 67. Regional Secretary - East | Shri Pramod Bhagat | Sahrsa |
| 68. Regional Secretary - East | Prof. (Smt.) Bina Bora | Dibrugarh |
| 69. Regional Secretary - East | Dr. Umesh Kumar Verma | Gaya |
| 70. Regional Secretary - East | Dr. S. N. Patel | Motihari |
| 71. Regional Secretary - East | Dr. (Smt.) Reeta Bhattacharya | Kolkata |
| 72. Regional Secretary - East | Shri Nandlal Singhania | Kolkata |
| 73. Regional Secretary - East | Shri Ghanshyam Sugla | Kolkata |
| 74. Regional Secretary - East | Shri Debal Kanti Sarkar | Guwahati |
| 75. Regional Secretary - East | Shri Kapoor Chand Jain | Guwahati |
| 76. Regional Secretary - East | Shri Kundan Kumar Sinha | Dhanbad |
| 77. Regional Secretary - East | Shri Pramod Kumar Ambastha | Ranchi |
| 78. Regional Secretary - East | Shri Dhanush Dhari Mishra | Bhubaneswar |
| 79. Regional Secretary - East | Shri Jagdish Prasad Mishra | Bhubaneswar |
| 80. Regional Secretary - South | Shri Rajeshwar Rao | Hyderabad |
| 81. Regional Secretary - South | Shri K. N.Ramaraj Urs | Bangalore |
| 82. Regional Secretary - South | Shri V. R. Kannan | Chennai |
| 83. Regional Secretary - South | Shri D.P . Swamy | Maddur |
| 84. Regional Secretary - South | Dr. B. D. Patel | Bangalore |
| 85. Regional Secretary - South | Shri Chella Subrahmaniam | Chennai |
| 86. Regional Secretary - South | Smt. Pila Nirmala | Anakapalli |
| 87. Regional Secretary - South | Shri Kasi V. Rao | Hyderabad |
| 88. Regional Secretary - South | Shri P. V. Athikayan | Kochi |

**-** National Secretary General

## महिला सहभागिता-चेन्नई प्रवास

महिला एवं बाल कल्याण के दायित्वधारियों को राष्ट्रीय महिला कार्यशाला के लिए चेन्नई क्षेत्र की योजना थी। बाढ़ की भीषण विभीषिका एवं राहत कार्यों में व्यस्तता के कारण कार्यशाला स्थगित कर दी गई। पूर्व आरक्षण के कारण चेन्नई तथा निकटवर्ती शाखाओं में महिला कार्यकर्ताओं से विमर्श हुआ। श्रीमती सावित्री वार्ष्णेय तथा श्रीमती अर्चना सिंघल द्वारा चेन्नई में नारायणी पूजा के अवसर पर लगभग 200 महिलाओं से विमर्श हुआ। श्रीमती राधाशंकर जी के सहयोग से प्रकल्प परिषद् की पहचान बन गया है।

प्रान्त की 5 शाखाओं में 160 सदस्य हैं। ठक्करबापा विद्यालय चेन्नई में 4 शाखाओं के सदस्य तथा महिलाएं एकत्र हुई। परिषद् में महिलाओं की सक्रियता पर गहन विचार विमर्श हुआ। मासिक मिलन से अन्तरंगता एवं स्नेह का भाव विकसित कर परिषद् का विस्तार किया जा सकता है। धार्मिक अभिरूचि का प्रभाव होने के कारण धार्मिक कार्यक्रम के द्वारा सहभागिता विकसित की जाए। श्रीमती पूर्णिमा तथा स्वाति के निर्देशन में महिलाओं का व्हॉटसएप्प ग्रुप बनाकर निरन्तर सम्पर्क बनाने पर सहमति हुई। क्षेत्र में शास्त्रीय एवं लोक संगीत का प्रभाव होने से परिषद् ने इस क्षेत्र में ध्यान देने की आवश्यकता है। परिषद् के क्रियाकलापों में महिलाओं को कार्यभार देने से भी सक्रियता बढ़ सकती है। शाखा द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित करने का आयोजन किया गया। गतिशील कार्यकर्ताओं को दायित्व देकर सक्रिय करने की आवश्यकता है।

**आर्य-कानपुर, ब्रह्मावर्त :** शाखा संस्थापक एवं संरक्षक श्री शिवकुमार आर्य की पत्नी श्रीमती कौशल्या आर्या का मरणोपरान्त नेत्र दान कराया गया जिससे कानपुर में दो नेत्रहीनों को ज्योति प्राप्त हुई।

**मयूरी अलीगढ़, ब्रज प्रदेश :** शाखा ने फिटनेस कार्यशाला का आयोजन किया। विश्वविद्यालय के जिम्नेजियम कोच मजहर उल कमर ने स्वास्थ रहने के टिप्स दिये। स्वास्थ्य प्रभारी दिनेश गुप्ता कार्यशाला में भाग लिया।

**स्वर्णिम प्रयाग, प्रयाग :** शाखा द्वारा सेवा आश्रम में एक्यूप्रेशर शिविर लगाया गया जिसमें डॉ. गुप्ता, प्रकाश चन्द तिवारी, इन्दुबाला, नीलमणि ने एक्यूप्रेशर चिकित्सा के गुर समझाया।

**पिलखुवा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश :** शाखा द्वारा 8वाँ रक्तदान शिविर सम्पन्न हुआ। कुल 170 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। प्रकल्प संयोजक मनीष माहेश्वरी ने व्यवस्था देखी।

**उत्कर्ष-मेरठ, हस्तिनापुर :** शाखा द्वारा रक्तदान शिविर में 191 लोगों ने 184 यूनिट रक्तदान किया। मेयर हरिकान्त अलूवालिया उपस्थित रहे। संयोजन संजीव गुप्ता ने किया।

**मलोट, पंजाब दक्षिण :** शाखा द्वारा स्कूली बच्चों को दन्त सुरक्षा के लिए जागरूकता की गई। डॉ. दीपाली ने बच्चों को दांतों की देखभाल के नियम बताए।

**बिगला, पंजाब उत्तर :** शाखा एवं लुधियाना विकलांग केन्द्र द्वारा शिविर लगया गया जिसमें 23 हियरिंग एड, 3 ट्राईसाइकिल तथा 10 कृत्रिम अंग लगाये गये। बलराम मधोक, रवीन्द्र सुंडा सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

**जालौर, राजस्थान पश्चिम :** शाखा द्वारा पठानकोट आतंकी हमले में शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि के लिए रक्तदान का आयोजन किया गया जिसमें 17 लोगों ने रक्तदान किया।

**सांचौर :** ट्रस्ट द्वारा संचालित हॉस्पिटल में 984 मरीजों का परीक्षण हुआ। छाजेड परिवार ने नि:शुल्क दवा उपलब्ध कराई। फिजियोथेरेपी केन्द्र में 52 मरीजों को सुविधा दी गई।

**बाड़मेर :** शाखा द्वारा स्वच्छ भारत जागरूकता अभियान चलाया गया। पैथलैब के द्वारा 316 रोगियों के परीक्षण किए गये। 150 मरीजों का थेरेपी कराई गई।

**आबू रोड :** शाखा द्वारा सरकारी अस्ताल में सदस्यों ने डाक्टरों के साथ मिलकर मरीजों की सेवा की।

**कुवारिया, राजस्थान मध्य :** शाखा द्वारा नि:शुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 214 मरीजों का परीक्षण किया गया। शिविर में ज्वर, अतिसार, रक्तचाप, कब्ज, गैस का इलाज डॉ. अजय दधीच, डॉ. गिरीराज शर्मा, डॉ. रोशनी की टीम द्वारा किया गया।

**आदर्शनगर जयपुर, राजस्थान उत्तर पूर्व :** शाखा द्वारा गुरुद्वारा टीला नं. 5 पर नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। 720 मरीजों का चेकअप, टेस्ट तथा टीकाकरण किया गया। थेलसिमिया से पीड़ित बच्चों के लिए 24 यूनिट रक्तदान कराया गया। सरदार जसवीर सिंह उपस्थित रहे।

**बारां, राजस्थान दक्षिण पूर्व :** शाखा द्वारा नेत्र परीक्षण में 205 मरीज लाभाविंत हुए। 45 मरीजों का ऑपरेशन कराया गया।

**भवानी मण्डी :** शाखा द्वारा श्रीमती पुष्पा जैन के निधन पर उनके पुत्र राकेश और मनीष के सहमति से नेत्र दान कराया गया। शाइन इण्डिया फाउण्डेशन के डॉ. कुलवन्त गौड़ नेत्र प्राप्त किये।

**रावतभाटा:** शाखा द्वारा आयोजित नेत्र शिविर में 200 रोगियों का लेंस प्रत्यारोपण किया गया। शिविर में चश्मा तथा दवाई का नि:शुल्क वितरण किया गया। कोटा अस्पताल के डॉ. सुरेश छाबड़ा ने सेवायें दी।

**शामगढ़, मध्य भारत पश्चिम :** शाखा द्वारा आयोजित नेत्र जांच शिविर में 220 मरीजों का परीक्षण तथा 55 के ऑपरेशन सम्पन्न हुए।

**शोलापुर, महाराष्ट्र-1 :** शाखा द्वारा विकलांग शिविर का आयोजन किया गया। 122 विकलांगों को कृत्रिम अंग तथा सुविधाएं प्रदान की गई। **हार्दिक बधाई।**

**बापू धाम मोतिहारी, उत्तर बिहार :** शाखा द्वारा माणिकपुर में शिविर लगाकर 309 मरीजों की जांच कतथा दवा वितरण किया गया।

**Janakpuri C2, Delhi South** : Branch organized a cardiac health checkup with the help of premio super specialty hospital. Pathological test were done and free consultation for 85 patients were provided Trip to Suraj Kund Mela was organized for members.

**Greater Kailash :** In Association with senior citizen forum, a health camp was organized in Apollo Spectra Hospital, A-19/A, Kailash Colony, New Delhi. 40 (approx.) Members were benefitted with health talk, free consultation with orthopeadician, free test BMD, BP & Sugar. Snacks and tea was served to all.

**Permanent projects** : Homeopathic Dispensary provided free consultation and medicines to 784 patients for the month of December and January. (404 in Dec. & 380 in Jan.) The dispensary runs during morning hours (Monday to Friday). Vridh Ashram : Ladies continued to collect grocery and medicines , clothes and other items for Vridh Ashram. Distribution of old clothes in Radha Krishna Mandir, Kailash colony : Dr. Sushil Gandhi, Sri M L Raina Ji and Sri Gyan Chand Ji distributed old clothes to needy.

**Azamgarh, Kashi Pradesh :** Branch organized a Viklang Camp. 30 person were given artificial limb. CMO Dr. S.Chandra appreciated the coop. for helping needy persons.

**Patherkandi, Assam**: Branch organized a *Medical Health Checkup Camp*. Medicines were distributed free of cost. Dr. Tapan Kumar Banik, Dr. Saki Chaudhary, Dr. Rupan and Dr. Hirok attended the camp. 168 patients were checked up and medicine worth Rs. 42000 were distributed. Pathology of govt. hospital provided test of malaria and other disease free of cost.

**Jorhat :** Health checkup camp was organized in the memory of Dr. Pulini Chand Beruah in village Dheklakhowa. A team of doctors from Vivekanand Kender Numaligarh Hospital Goleghat. 242 patients were examined in general. Gy neurological and eye problems medicine were distributed free of cost.

**Brijhora :** Branch conducted a general free medical health check up camp on 31.01.16 in the village Soulmari ( Kakoijana ) at the campus of Soulmari Club about 20 ( Twenty ) Km from Bongaigaon,total 145 number of patients were checked up. Free medicine about worth Rs.12000.00 were distributed to the patients. Dr.K.N.Dev.Sarma advisor of BVP Brijhora Branch has conducted the camp.

**Dhubri** : A cataract detection camp was held at Golokganj 156 patients were screamed by Dr. J. Samrah 22 patients were operated at Dhubri Hospital. A seminar was organized on Vivekanand and the renaissance in India in the light of Arbindo, Sri Digant Vishwa Sarma of Guwahati delivered his valuable speech. Branch organized awareness camp for rural development to educate members of Gram Panchayat. Topic of soil conservation was covered by the experts.

**Gujarat Central:** Anandnagar and Ranchhodnagar branch organised & Arpan Foundation and Collective Action California and NRI Nagindada Jagada Sponsered Viklang Camp was held in 2 Phases of 23rd January-16 & 31January 16 at RMC Hall Rajkot.In first phase total 117 disabled person were examined and Applications for tricycle and sewing machine were taken from 130 needy men & women. In 2nd phase of 31st January's camp 28 artidicial hands & legs, 25 caliperses10 wheelchairs 16 walking stick 16 useful instruments 40 tricycles were given to needy and disabled people. In this camp BVP Anandnagar gave 25 sewing machines to needy women and 160 foodgrain kits to needy poor women. Also gave 1000 rupees scholarships to Rajkot city's 10th & 12th standard's 60 students. In this camp Gujarat state's water resources minister Vijaybhai Rupani Petrocamicals

minister Govinbhai Patel Rajkot's Mayor Dr.Jaymanbgai Upadhyay & Dy.Mayor Darshitaben Shah RSS's Mukeshbhai Malkan NRI Donor Naginbhai Jagada, Dr.Rajnikant Mehta BVP Saurashtra pradedh secretary Prafulbhai Goswami were present as chief Guests.

**Hatkeshwar, Ahmedabad, Gujarat Central:** on the occasion ofVivekanand Jayanti, Free Handicapped Rehabilitation, Medical Examinationa and Eye Examination Camp in tribal area by Hatkeshwar branch, was organized at village Sidumber, Taluka Dharampur, Distt. Valsad of Gujarat State on 24-01-2016.

### फरीदाबाद में सम्पन्न राष्ट्रीय शासी मण्डल में माननीय वी. भागव्या जी का समापन भाषण

गत दो दिनों से मैं आप सब कार्यकर्त्ताओं के साथ रहा हूँ। परिषद् का कार्य सब का साथ और सबके साथ मिलकर करने का कार्य है। ध्येय की स्पष्टता के लिए बार-बार ध्येय का स्मरण करना आवश्यक होता है। ध्येय क्या है? सब सुखी हो, सबको आनन्द मिले यह हमारा कर्तव्य है। सेवा कार्य से जब किसी को सुख मिलता है तो हमें भी आनन्द मिलता है। सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया - का भाव दूसरों के लिए सम्वेदना, सभी सुखी हो, सभी निरोगी हो, सब सुरक्षित हो। यह अवस्था प्राप्त करने के लिए कार्य कर रहे हैं। अतः परिषद् के साथ अन्य समाज सेवी संगठनों को प्रतिस्पर्धा नहीं सामन्जस्य से कार्य करने की आवश्यकता है। हमें एक अलग सेवा दल बनाने का लक्ष्य नहीं है। रन्ति देव का विचार-हमें राज्य की आवश्यकता नहीं है, न हमें मोक्ष की अभिलाषा है, हमें बार-बार जन्म लेने की भी इच्छा नहीं है। मैं तो दुखी, वंचित, पीड़ित लोगों की सेवा में ही संतुष्ट हूँ।

ध्येय की स्पष्टता न होने से विभ्रम होता है। मैं ब्रह्म हूँ, यह आत्म ज्ञान आवश्यक है। मनुष्य को मुक्त होना है, कीर्ति, मोह, बन्धन है, यह बन्धन छोड़ते ही आत्म ज्ञान का साक्षात्कार हो जाता है। संगठन कार्य के लिए छोटी बातों का ध्यान रखना आवश्यक है। सम्पर्क से समाधान होता है। कभी-कभी वैचारिक भेद दिखता है। संगठन का हित विचार कर निर्णय लेना चाहिए। मैं का अहंकार नहीं संगठन की मर्यादा आवश्यक है। हमारा ध्येय व्यक्ति परिवर्तन, समाज परिवर्तन और व्यवस्था परिवर्तन है। इसके लिए कुटुम्ब प्रबोधन एक महती आवश्यकता है।

आज देश में वैचारिक संभ्रम दिखाई पड़ता है। देशहित, राष्ट्र भक्ति, वामपंथी विचार समूह को स्वीकार नहीं है। अधिसंख्यक समाज देश क हित का ही विचार करता है। पर्यावरण संरक्षण के प्रयोग परिवार से शुरू हो, ग्रामीण विकास से ही कृषि का विकास होगा। जैविक खेती से आर्थिक परिवर्तन का प्रारम्भ हो रहा है। विभिन्न क्षेत्र जैसे स्वास्थ्य प्रबन्धन एवं शिक्षा क्षेत्र के विशेषज्ञों को टीम के रूप में जोड़ना अपेक्षित है। यह ध्यान रखना होगा कि व्यक्ति नहीं विचार ही सर्वोपरि है।

## महकता चरित्र

एक छात्र परीक्षा में फेल हो गया। माता पिता ने पढ़ाई का खर्च देने से इंकार कर दिया। लड़के को पढ़ने की इच्छा थी। उसने टैक्सी चलाकर अपनी पढ़ाई जारी रखी। यात्रियों को स्टेशन से होटल ले जाता। मीटर से पैसा लेता व रसीद देता। एक दिन एक यात्री को ले जाते समय उसे पता लगा कि यह साहित्यकार है। उसने पूछा महाशय क्या आप विश्वविद्यालय देखना पसंद करेंगे। स्वीकृति होने पर वह विश्वविद्यालय में जाने पर उसने टैक्सी का मीटर बन्द कर दिया। विश्व विद्यालय भ्रमण के बाद बाहर आने पर उसने मीटर फिर चालू कर दिया। पूछने पर उसने बताया कि विश्वविद्यालय भ्रमण के पैसे नहीं लेगा। लेखक ने पूछा कि मीटर बन्द न करते हो क्या हो जाता। तो युवक ने उत्तर दिया - यह बेइमानी होती। छोटी बेइमानी बड़ी बेइमानी को जन्म देती है। -**यशपाल**

## मेक इन इण्डिया के असर दिखाई देने लगा है।

भारत के वड़ोदरा कारखाने में तैयार किये गये मेट्रो ट्रेन के 6 डिब्बे मुम्बई से आस्ट्रेलिया को निर्यात किये गये। अगले दो साल में बम्बार्डियर के सावली कारखाने से 450 कोच आस्ट्रेलिया को भेजे जायेंगे। यह समझौता 2.7 अरब डालर का है।

## सकारात्मक सोच

जीवन में सफलता के लिए सकारात्मक सोच का होना बहुत आवश्यक है। जीवन में धैर्य रखकर कोई मनुष्य जीवन के संघर्षों और चुनौतियों को सफलतपूर्वक पार कर सकता है। जीवन स्तर को उच्च बनाने में सकारात्मक सोच का महत्वपूर्ण स्थान है। ईश्वर ने हमें सुन्दर और स्वस्थ शरीर दिया है। लेकिन यदि श्रेष्ठ विचार और भाव नहीं है तो व्यक्तित्व का विकास कठिन है। यह विचार ही सकारात्मक सोच पर निर्भर होते हैं। - **सुशील गर्ग**

## आध्यात्मिक व सामाजिक सुदृढ़ता का प्रतीक 'नव संवत्सर'

भारतीय संस्कृति में वर्ष का शुभारम्भ चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से होता है। नव प्रभात का सूर्य अपनी नवीन रश्मियों से हमारे जीवन को अद्‌भुत शक्ति व स्फूर्ति से भर देता है। शुक्ल पक्ष की धवल चांदनी मानो अमृत वर्षा के द्वारा शरीर को एक विशिष्ट उमंग प्रदान करती है। इसी दिन को 'नव संवत्सर' के नाम से पुकारा जाता है। इसी से किसी भी देश की प्राचीनता की जानकारी मिलती है। साथ ही उससे अमुक समय में अमुक देश या स्थान की सभ्यता व संस्कृति की उन्नति या अवनति की भी जानकारी मिलती है। हमारे देश में संवत का प्रयोग सृष्टि के प्रारंभ से ही हो गया था। अतः सतयुग में ब्रह्म संवत, त्रेता में वामन संवत, द्वापर में कृष्ण संवत तथा कलियुग में विक्रमादित्य राजा के नाम से विक्रम संवत का प्रचलन हुआ। नूतन वर्ष के उपलक्ष्य में किसी न किसी रूप में अनेकानेक मनोहारी परम्पराओं का आयोजन होता रहता है। इन परम्पराओं में मुख्य ऋतु परिवर्तन, नई सफल का पकना, सगाई, विवाह, गौना, सन्तानोत्पति आदि प्रमुख है। ऐसे आनन्ददायक अवसरों पर सामूहिक आनन्द और उल्लास, नृत्य, गीत, भजन आदि के रूप में फूट पड़ता है।

ऐतिहासिक तथ्यों के अनुसार आज ही के दिन नवरात्रि का प्रारम्भ हुआ, जिसमें जगजननी देवी शक्ति की पूजा का विधान है। इसी दिन भगवान श्री रामचन्द्र जी का राज्याभिषेक किया गया। महर्षि गौतम का जन्म, संत झूलेलाल का जन्म दिवस, डॉ. हेडगेवार का जन्म दिवस, आर्य समाज की स्थापना दिवस, शकारि विक्रमादित्य का विजय दिवस, सिक्खों के द्वितीय गुरु अंगददेव का जन्म चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को ही हुआ था।

आज नये वर्ष के दिन उन सभी महान् विभूतियों का पावन स्मरण करें जो हमारे देश के नव जागरण व पुनरूत्थान में सदैव सक्रिय रहे। साथ ही उन पुण्यात्माओं द्वारा स्थापित राष्ट्र भक्ति, अनुशासन व कर्तव्य निष्ठा को प्रस्थापित करने हेतु उन सांस्कृतिक मूल्यों को पुनः अपने जीवन में आत्मसात करें।

परन्तु खेद का विषय है कि आज हम रिब्रस्ती सन् का जितना स्वागत करते हैं, उतना हर्षोल्लास विक्रमी संवत पर दिखाई नहीं पड़ता। जहाँ तक मेरा विचार है कि भारत को विदेशी शक्तियों से स्वतंत्र होने के 67 वर्षों के बाद भी हम उनकी गुलामी के पाश से बंधे हुए हैं। पाश्चात्य अंधानुकरण के कारण 31 दिसम्बर के रात हम धूमधाम व शोर शराबा करके, नये वर्ष 1 जनवरी का अभिनन्दन करते हैं। यह भौतिक विलासिता तथा अन्मुक्त 'स्वच्छन्दता' क्या भारतीय संस्कारों के अनुरूप है? कदापि नहीं।

हमारे यहाँ पर नव-संवत्सर का स्वागत होता है, परन्तु उसका तरीका भिन्न है। जैसे नवरात्रि प्रारम्भ होते ही विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों तथा मंदिरों में पूजा अर्चना आदि की जाती है जिससे परस्पर सौम्यता, सहिष्णुता, कलात्मकता तथा सामाजिकता का विकास होता है। भारतीय संस्कृति को पुनः विकायोन्मुख करने हेतु इस प्रकार की आध्यात्मिक व सामाजिक व्यवस्था अवश्यम्भावी है।

आईये, हम सब मिलकर सक्रिय भागीदारी द्वारा नूतन वर्ष के अन्तर्गत समाज में व्याप्त कलुषित प्रवृतियों को मिटाकर सहजता, सरलता तथा सजगता रूपी गुणों को स्थापित करें तभी राष्ट्र के प्रति निष्ठा व कर्तव्य परायणता की भावना जागृत होगी। इसी में समस्त मानव मात्र का हित निहित है।

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः, सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्

-**डॉ. ( श्रीमत ) बसन्ती हर्ष,** बीकानेर

---

## आत्मोत्कर्ष के चार चरण

1. **समझदारी** - दूरदर्शिता और विवेकशीलता इसके अभिन्न अंग हैं। यह उज्ज्वल भविष्य की नीव है। इससे इंद्रिय संयम, समय संयम और अर्थ संयम को अपना कर दुर्गुण से बचा जा सकता है।
2. **ईमानदारी**- मानवीय गरिमा मे चार चाँद लग जाते हैं जब ईमानदारी का समावेश होता है। अर्थ के उपार्जन में ईमानदारी का बड़ा महत्व है।
3. **जिम्मेदारी** - विशाल हृदय वाले लोग अपने प्रति जिम्मेदारी का भाव जाग्रत कर परिवार, समाज और देश के प्रति जिम्मेदारी का भाव विकसित कर सकते हैं।
4. **बहादुरी** - जीवन संघर्ष शील है। बहादुरी के द्वारा हम अपने जीवन की समस्याओं को आसानी से सुलझा सकते हैं। दुर्गम पथ पर बढ़ा जा सकता है। कठिनाईयों पर विजय पाई जा सकती है। - **राकेश गोयल**

## GUJARAT ZONAL CONFERENCE 2016 FOR ZONE 13

Zonal Conference for the members of two prants – Gujarat Madhya & Gujarat Uttar was organized on 10th Jan.2016 in University Convention Hall, Ahmedabad. The aim of the conference was to provide intense bundle of thoughts from scholarly experiences persons. Hence besides our National President Shri. Sitaram Pareek, the speakers included Shri V. Bhagaiyaji (Saha Sarkaryavah) Smt. Indumatiben Katdare (co-ordination of National Purutthan Vidyapeeth) and Hon. Governor of Gujarat Shri O.P.Kohli.

Shri Sitaramji stressed the special features of BVP – being organization of special persons wealthy & intelligent capable of passing a portion of it for the benefit of needy; an organization having family membership and workers doing Sewa treating it a responsibility rather than a post. He emphasized the need to have at least one branch per District & reaching out to minimum 1% of population.

Smt. Indumatiben's subject was Akatm Manav Darshan in today perspective. She said Pandit Deendayal Upadhyay churned all our ancient wisdom & structured a theory called Akatm Manav Darshan which is very much valid today. She said when all human beings on the earth are children of God, how can a few of them fulfill all their desires and the rest do not have food to eat home for shelter and always love with lack of everything. This inequality is the cause of all present day evils like stealing loot cheating, dishonest behavior, corrupt practices, terrorism, etc. so to have compassion for all around us is the only solution.

Past economics thinkers said to produce everything to the maximum and consume minimum. i.e.develop contentment. Then there will be no scarcity. While making use of natural resources also take that much which is necessary. Do not exploit. Environment remains unpolluted despite development taking place. Give more than you take should be the principle of Indian MBA.

Shri Bhagaiyaji reminded about so many permanent service Projects being run by our branches and termed it as Models of service conveyed congratulations to the workers. He stressed the need for remaining united by gentlemen. He wanted that we should implement in our life the principles of Pt.Deendayalji. We should give equal respect to a sweeper a servant a poor etc remembering their useful contribution to the society and help for their upliftment.

Shri O.P.Kohliji recalled his stay in Delhi, very near to a place where Dr. Suraj Prakash founder of BVP used to stay and work. He was happy to see a small seed now developed as a grown up tree. A nation is not just a piece of land or a constitution. It is rather self-respect. As for as India is concerned, we might have been defeated politically, but not mentally. Our mental freedom was retained even during about 1000 years of Muslim rule. However, only 187 years slavery of the British hav brought lasting changes in many respect. If we wish to go back to original glory. We will have to give emphasis on society controlled by religion after understanding true meaning of religion (Dharm).

Entire programme was conducted by zonal secretary Dr. Jagdish Rama. He acknowledged the presence of dignitaries, talked about various permanent project, introduced important office bearers and showed a documentary on Viklang Centre.

### PLACE / DATE / VENUE/ NO. OF PARTICIPANTS IN THE REGIONAL WORKSHOP 2016-17

| Regional | Date | Venue | Prant/Participants | National/Regional/Prant/Total participants |
|---|---|---|---|---|
| North | 23-24 April, 2016 | Delhi | 12*4=48 | 12+15+48=75 |
| West | 23-24 April, 2016 | Nasik | 5*4=20 | 14+9+20=43 |
| North Central | 30 April 1 May, 2016 | Moradabad | 11*4=44 | 8+21+44=73 |
| East | 30 April 1 May, 2016 | Puri | 11*4=44 | 11+14+44=69 |
| Central | 30 April 1 May, 2016 | Bhopal | 13*4=52 | 10+14+52=76 |
| South | 07-08 May, 2016 | Bangalore | 6*4=24 | 7+9+24=40 |

**Ajay Dutta**, National Secretary General

## MINUTES OF APEX BODY

**Faridabad** : The meeting of the apex body was held at Kisan Bhavan Faridabad on 26.2.2016 after recitation of national song Vande Matram, Shri Sitaram Pareek National President welcomed the apex body members. Following members were present in the meeting.

Shri Sitaram Pareek, Shri Surinder Kumar Wadhwa, Shri B.Ch.V.(Ashwini) Subba Rao, Shri Harish Jindal, Shri Yash Paul Gupta, Shri Bhupender Mohan Bhandari, Shri P.K.Jain, Shri Ajit Ramanlal Shah, Shri Ajay Dutta, Shri Sachidananda Panda, Dr. S.C.Gupta, Shri O.P.Kanoongo, Shri Shriniwas Bihani, Shri Chander Sain Jain, Shri Nidhish Gupta, Shri Sanjeev Kumar Bansal, Dr. R.B.Srivastava, Shri Girish Prasad Singh Dr. Indira Barthakur, Shri D.D.Sharma, Shri Ashok Jadhav, Shri Raj Kumar Bhagat, Shri V.Shankar and Shri Keshav Dutt Gupta.

The minutes of the last apex body meeting were read by Ajay Datta National Secretary General. Minutes were approved by the house. Proposed amended constitution was presented after inclusion of all the suggestions and quarries by the members. Shri V.S. Kokje presented it and clarified the quarries, the same was declared passed by the house. Organizing Secretary presented the proposals for division of Punjab north is proposed into two e.g. Punjab North and Punjab West. Division of Mahakaushal and Vindhya. The state of Maharashtra II has been divided in Maharashtra West, Vidharbh, Devgiri. State of Delhi is proposed to divide in six prants as Delhi North, Delhi Central, Delhi South East, Delhi South West, Delhi East and Delhi North East. The proposals were passed unanimously.

The statistical report of the construction of Central Office building was presented by Chander Sain Jain. He told the house that the conference hall and room with toilets on the first floor is renovated and one room near the conference hall is added. On the second floor 3 dormitories and 2 rooms with attached toilets and 2 separate toilets are constructed. On the third floor 2 dormitories and toilets are constructed. Additional facility of lift has been provided. Open ground is covered by paver. Reception room and inner courtyard has been elevated with the height of verandah. The total cost of the whole in approximately 80 lakhs.

According to new constitution the team was proposed as 1. National President 2. National Secy. General 3. National Finance Secretary. 4. National Vice President HQ 5. National Vice President North 6. National Vice President North Central. 7. National Vice President East 8. National Vice President Central 9. National Vice President West 10. National Vice President South.

For the National Office Bearer election Shri S.N. Panda was nominated as returning officer. Shri Harish Jindal National Vice President was honoured as Vikas Samarpit after completion of 75 year of his age. Shri V. Bhagaiah asked to utilize the long experience of Shri Harish Jindal ji. The search for talented and experienced persons should continue. We should try to invite such persons. Our mission is to prant honour; social and system transformation. We are doing this through our projects and programmes. He appealed to apex body member to plan for 10 years. Secretary General Shri Ajay Datta extended vote of thanks to the house.

## आश्चर्यजनक किन्तु सत्य

अमेरिकी वैज्ञानिक ऐजेन्सी नासा में भर्ती होने वाले वैज्ञानिकों के लिए 15 दिन की संस्कृत कक्षाएँ लगाई जाती है। इसमें आर्य भट्ट और बराह मिहिर द्वारा प्रतिपादित वैज्ञानिक सिद्धान्तों के अलावां मय दानव के सूर्य सिद्धान्त को भी पढ़ाया जाता है। नासा के अतिथि वैज्ञानिक डॉ. ओम प्रकाश पांडेय के अनुसार मयदानव ने 500 बी.सी. में सूर्य सिद्धान्त के द्वारा यह सद्ध किया था कि पृथ्वी अपनी धुरी के अलावां सूर्य का भी चक्कर लगाती है। मय दानव ने एक साल की अवधि 365-24 दिन बताई थी। वर्तमान गणना में यह केवल 1.4 सेकेण्ड की त्रुटि मिलती है।

## नशा मुक्ति : एक सकारात्मक पहल

नशेड़ी परिवार के बच्चे, डरे बेचैन, भयग्रस्त, कही पिता जी का एक्सीडेंट न हो जाए, कहीं सड़क पर न पड़े रहे। ऐसी आशंकाओं से बचपन मरने लगता है। वे ही भावना से ग्रस्त हो जाते हैं। ऐसी परिस्थितियों पर सकारात्मक पहल की गई। गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा नशा मुक्ति जागरूकता रैली में स्वयंवर नाटिका के द्वारा। कोई लड़की नशेड़ी को अपना पति न चुने। नृत्य नाटिका 'नशा ने छोड़ो रे' के द्वारा नशे के प्रभाव का मंचन किया गया। डॉ. विशाखा बंसल ने नशा नृत्य में भाग लिया। राम चन्द्र मिशन के प्रशिक्षक डॉ. सुबोध शर्मा ने योग और ध्यान से एकाग्रता विकसित करने के गुर बताए। रैली के द्वारा भ्रूण हत्या, स्वच्छता, बेटी बचाओ का संदेश दिया।

## ब्रज प्रदेश

**एटा :** शाखा द्वारा आयोजित विवेकानन्द चित्रकला एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में बच्चों ने उत्साह से भाग लिया। तनु यादव, अर्चिता, शिखा, सलोनी, वैष्णवी, सुमित, आकांक्षा, पूजा, विभा, साक्षी, निधिता ने तालियाँ बटोरी। सुपर कन्वेंट स्कूल के अंजली, पियूष, अंशुल ने पुरस्कार जीते।

## हस्तिनापुर

**शास्त्री नगर-मेरठ :** शाखा ने विवेकानन्द जयन्ती पर खेल-कूद प्रतियोगिता आयोजित की जिसमें बच्चें को पुरस्कृत किया गया।

**अमेटी-मुजफ्फरनगर :** शाखा द्वारा प्रतिदिन गौमाता सेवा के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया। उन्नति शाखा के साथ टी20 क्रिकेट मैच में नवीन सिंघल, विवेक शर्मा आदि का सानिध्य रहा। वंचित विद्यार्थियों के लिए झूले, राइड्स और प्रेरक मूवी, एअरलिफ्ट का प्रदर्शन किया गया।

**विवेक मुजफ्फरनगर :** शाखा द्वारा निर्धन असहाय लोगों के मध्य खिचड़ी वितरण तथा जाड़े के मौसम में कम्बल बांटे गये। गणतंत्र दिवस पर स्टेशनरी तथा मिठाई वितरण किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. कुलश्रेष्ठ ने कहा कि गरीबो की सेवा करने से उनकी दुआ मिलती है और हमारा जीवन सफल हो जाता है।

## काशी प्रदेश

**श्रद्धा वाराणसी :** शाखा द्वारा सेवा वर्ष के पूर्व होने पर डोमरी गाँव में प्रौढ़ शिक्षा कक्षा प्रारम्भ किया गया तथा कम्बल वितरण किये गये। राधाकृष्ण आश्रम में वनवासी छात्राओं को खाद्यान्य, खिचड़ी प्रदान की गई। आर्य महिला पी.जी.कॉलेज में महिला सुरक्षा में 'संचार माध्यम' विषय पर गोष्ठी में प्रो. रीता सिंह ने संबोधन दिया। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड वाराणसी पर्यावरण निर्देशालय और शाखा द्वारा पोलीथीन मुक्त स्वच्छ वाराणसी के लिए महारैली का आयोजन हुआ। टाउन हॉल, चौक, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद घाट, सरस्वती कन्या इण्टर कॉलेज होकर समापन पर गंगा की दुर्दशा पर एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के डॉ. मो. सिकन्दर, जमुना शुक्ला, अल्पना चौधरी ने जूट और कपड़े के थैलों के प्रयोग की अपील की। प्लास्टिक की गैस, पोलीथीन से नाली के बंद होना तथा पशुओं के लिए पोलीथीन के नुकसान से जनता को अवगत कराया गया।

**वरूणा-वाराणसी :** शाखा द्वारा कुमारी पूजा मिश्रा, निवासी जिला चन्दौली का हृदय रोग ऑपरेशन के लिए सहायता राशि प्रदान की गई। पूजा का ऑपरेशन 23 फरवरी, 2016 को जयपुर के नारायण अस्ताल में सम्पन्न हुआ। श्री रमेश लालवानी के मार्गदर्शन और सहयोग से शाखा द्वारा लगभग 20 ऑपरेशनों के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया। **बधाई।**

**नारायणपुर मीरजापुर ( वाराणसी ) :** शाखा द्वारा पकड़ी ग्राम को गोद लिया गया तथा 4 शौचालयों का निर्माण कराया गया। सीढ़ी द्वार से गंगा घाट तक सीढ़ी का निर्माण कराया गया। श्री प्रेमी सिंह, निवासी केलना के सहयोग से स्वामी विवेकानन्द पार्क के मुख्य द्वार का निर्माण कराया। श्री राकेश सिंह (प्रबन्धक सनवीम स्कूल) ने अपने बड़े भाई स्व. योगेन्द्र सिंह की स्मृति में धर्मशाला का निर्माण कराया। प्रान्तीय उपाध्यक्ष डॉ. भगवान दास सिंह के सहयोग से पार्क में स्वामी विवेकानन्द की प्रतिमा लगाई गई। सामुदायिक भवन का शिलन्यास हो गया। शेरचुर स्थित हनुमान मंदिर के पास संकट मोचन घाट पर सीढ़ी का निर्माण विधायक श्री जगदम्बा सिंह पटेल के सहयोग से सम्पन्न होगा।

## ब्रह्मावर्त

प्रान्त स्तरीय सामूहिक सरल विवाह का आयोजन रामाकृष्ण शाखा कानपुर द्वारा सम्पन्न हुआ। समारोह में 28 जोड़ों का विवाह सम्पन्न हुआ। समारोह में राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र कुमार वधवा, महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानन्द, राष्ट्रीय संरक्षक श्री रामशरण श्रीवास्तव सहित शाखा अध्यक्ष अमित अग्रवाल तथा सदस्यगण अतिथि रहे। श्री विष्णु सहाय, ब्रजेश शर्मा, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओं, बेटी नहीं बचाओगे तो बहू कहाँ से लाओगे आदि का बैनर लगाये गये। समारोह में 7 नये सदस्य बनाये गये।

**गोविन्द कानपुर :** शाखा द्वारा 317 बच्चों को स्वेटर तथा 15 शिक्षकों को कम्बल दिये गये। कला बाबा आश्रम में टाट पट्टी की व्यवस्था की गई। 72 मरीजों का नेत्र परीक्षण किया गया। 15 मरीजों को नेत्र लेंस लगाया गया।

**फर्रुखाबाद सहयोग :** सहयोग शाखा द्वारा राष्ट्रभक्ति व राष्ट्र द्रोह विषय पर कैन्डिल मार्च का आयोजन हुआ। जे.एन.यू. के मुद्दे पर देश द्रोहियों को कड़ी सजा देने की मांग की गई। तीन शाखाओं तथा सामाजिक संस्थानों के 250 लोग सम्मिलित हुए। अध्यक्ष के. पाठक, रमेश चन्द्र त्रिपाठी, विनोद सैनी, व्यापारी नेता अरुण प्रकाश तिवारी ने नेतृत्व किया। शाखा द्वारा प्रतिवर्ष सीतापुर नेत्र चिकित्सा के परिसर में निर्धन वर्ग के लिए नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष 20 फरवरी को डॉ. विपुल अग्रवाल के निर्देशन में डॉ. अरविन्द कटियार, डॉ. प्रदीप टोपो ने 144 मरीजों की जांच की तथा 35 मरीजों का ऑपरेशन सम्पन्न किया गया। मरीजों को चश्मा तथा दवाईयाँ नि:शुल्क वितरित की गई। प्रभारी राजेश अग्रवाल ने व्यवस्था संभाली।

## अभिनन्दन नव वर्ष तुम्हारा

जन जन को लगता है प्यारा, सदियों तक रहे साथ हमारा
खुशी में झूम उठे जग सारा, अभिनन्दन नव वर्ष तुम्हारा.....

हमको है पूरा विश्वास, स्वप्न सभी होंगे साकार
कोई न होगा कभी निराश, पायेंगे सुख शान्ति अपार
प्रेम, एकता, भाई चारा, गुंजेगा जय हिन्द का नारा
बन जाओं निर्बल का सहारा, अभिनन्दन नव वर्ष तुम्हारा.....

शिक्षा, स्वास्थ्य के साथ सुरक्षा, बदलेगें भारत का नक्शा
करेंगे सदा जो होगा अच्छा, मार्ग दिखाओं सबको सच्चा
कुदरत का सब खेल है सारा, क्या सुनाऊँ तुमहे यारा
दिल दिया तुझको दिलदारा, अभिनन्दन नव वर्ष तुम्हारा.....

हृदय में सद्भाव जगाओ, इस धरा को स्वर्ग बनाओं
गीत खुशी के हरदम गाओ, देश प्रेम की धरा बहाओ
फैले सुख शान्ति उजियारा, रामराज्य आयेगा दुबारा
समझ गये समय का ईशारा, अभिनन्दन नव वर्ष तुम्हारा.....

देश में हो प्रगति और प्रीत, याद न आये कभी अतीत
निभाओं जग की पुरानी रीत, 'यादव' के बन जाओ मीत
तभी मिलेगा कोई किनारा, जिसने अपना जीवन संवार
पाप का बोझ सर से उतारा, अभिनन्दन नव वर्ष तुम्हारा.....

– **रामचरण यादव**, बैतूल (म०प्र०)

## पश्चिम उत्तर प्रदेश

**वैशाली :** परिषद् की वैशाली शाखा का गठन में गरीब विद्यार्थियों को सहायता प्रदान की आवश्यकता पर बल दिया गया। इस अवसर पर नई कार्यकारिणी को श्री सुनील गुप्ता, मनीष जोशी और प्यारे लाल राजदान को, क्षेत्रीय महामंत्री राजीव गोयल ने शपथ दिलाई। श्रीमती इन्दू वार्ष्णेय ने महिला सक्रियता पर बल दिया। संयोजक मनोज अवस्थी ने सामाजिक संभावनाओं और आवश्यकताओं पर खरा उतरने का आह्वान किया।

## कोशी बिहार

**बेगूसराय :** शाखा द्वारा सर्दी के प्रकोप से बचने के लिए जरूरतमंदों में कम्बल वितरण किया गया।

## राजस्थान मध्य

**प्रताप भीलवाड़ा :** शाखा द्वारा 11 विद्यार्थियों को स्वेटर वितरण किये गये। युवा दिवस पर स्वामी विवेकानन्द से सम्बंधित 251 पुस्तकें बाँटी गई।

**बडगाँव तहसील ( भीलवाड़ा ) :** होम साइंस कॉलेज की राष्ट्री सेवा योजना जल छात्राओं ने नुक्कड नाटक प्रस्तुत कर 'शादी के फेरे से भी अधिक महत्वपूर्ण है पानी का आना' विषय पर प्रस्तुति दी। डॉ. पी.सी.जैन ने कहा कि सूखे कुए, बावड़ी, टयूबेलों को वर्षा जल सरंक्षण से भरते रहना चाहिए। जल गीत नृत्य तथा पोस्टर प्रतियोगिता भी सम्पन्न हुई।

**अजमेर :** शाखा द्वारा प्रबुद्ध नागरिकों की बैठक में परिषद् की मूल भावनाओं का वर्णन करते हुए संस्कार और सेवा प्रकल्पों की चर्चा की। शिक्षा राज्यमंत्री प्रो. वासुदेव देवनानी ने परिषद् के द्वारा नागरिकों के विकास पर बल दिया। शिव शंकर हेडा ने परिषद् के प्रकल्पों का वर्णन किया।

## राजस्थान पश्चिम

**पचपदरा सिटी ( बाड़मेर ) :** राजस्थान में कलयुग के अवतार बाबा रामदेव की आस्था में लगातार इज़ाफ़ा हो रहा है। धार्मिक यात्रा पर निकले यात्रियों की सुविधा के लिए शाखा द्वारा चल कैंटीन चालू की गई। श्री जय किशन सोनी तथा अरविन्द मदानी ने कैंटीन का प्रारम्भ किया तथा सेवा समिति द्वारा यात्रियों के लिए रेडियम वेल्ट का वितरण किया गया। यह प्रभु दर्शन को जा रहे यात्री सेवा नहीं वरन प्रभु की सच्ची सेवा है। शाखा द्वारा गुरु वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम में 10 बालकों तथा 3 अध्यापकों को सम्मानित किया गया। महालक्ष्मी माध्यमिक विद्यालय में संयुक्त महामंत्री श्री डी.डी.शर्मा उपस्थित रहे। अध्यक्ष ओम प्रकाश ड्रोलिया ने धन्यवाद दिया।

## राजस्थान दक्षिण

प्रान्तीय बैठक में 44 शाखाओं की आख्या प्रस्तुत की गई। मेवाड, सुभाष व आजाद शाखा को पुरस्कार मिला। ग्रामीण शाखाओं के अन्तर्गत परतापुर, कपासन और भीलूड़ा शाखा को सम्मानित किया गया।

**भामाशाह-उदयपुर :** सेन्ट्रल एकेडमी उदयपुर में हरित बाल गोकुलम के अन्तर्गत छात्रों को वृक्षरोपण तथा पर्यावरण संबंधी जानकारी दी गई।

## राजस्थान दक्षिण पूर्व

**रावतभाटा :** शाखा द्वारा ग्राम गोपाल पुरा कालूपुरा को समग्र ग्राम विकास के लिए स्वीकृत किया गया है। इस ग्राम के मुक्तिधाम में टीन शेड, पाइप लाइन डालना, सामुदायिक भवन का निर्माण आदि किये जायेंगे। सरपंच कन्हैयालाल भील ने सहयोग का आश्वासन दिया।

## राजस्थान उत्तर

प्रान्त की अनूपगढ़, विजयनगर और घड़साना शाखा द्वारा 27 जोड़ों का विवाह सम्पन्न कराया गया। विजयनगर शाखा द्वारा 31 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। करणपुर शाखा द्वारा 33 यूनिट रक्त दान किया गया। नागौर, रवीबर, जायल शाखाओं एवं नाहटा ट्रस्ट द्वारा प्रदत्त 1 लाख कम्बल बांटे गये। परवतसर शाखा द्वारा 350 कम्बल, 375 स्वेटर वितरण किये गये। पीलीबंगा शाखा द्वारा 62 स्वेटर, जूते व मोजे बांटे गये।

## भारत में नारी

दुर्दशा उस देश की कन्याओं की पहचान है,
जिस देश में कन्याओं की पूजा का प्रावधान है।
बाप के घर में पराया धन रही कन्या सदा,
पति कब घर से निकाले इसका नहीं अनुमान है।
पोता हो पैदा हो दादी फिरती लड्डू बांटती,
पोती पैदा हो तो लगता घर हुआ शैमशान है।
सदियों की अवधारणा को आज भी हम जी रहे,
सब समझते हैं कि नारी भोग का सामान है।
गर्भ में कन्या भ्रूणों की हत्या, बहू कल कहाँ से लाओगे।
'सरल' इस चिन्ता को लेकर हर कोई परेशान है।

**-गोविन्द चावला,** अम्बाला

## राजस्थान उत्तर पूर्व

**प्रताप जयपुर :** शाखा द्वारा होटल कारपोरेट इन राजापार्क में कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें डॉ. अरुणा गुप्ता ने ध्यान और योग का जीवन में महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. विकास सक्सेना ने हार्टफुलने (ध्यान का आसान तरीका) के बारे में बताया तथा अभ्यास कराया।

## महाराष्ट्र-1

**प्रान्तीय अध्यक्ष श्री एस.एस.गुप्ता जी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर उनसे मिलने दिल्ली गये। 40 मिनट की चर्चा में श्री गुप्ता ने परिषद् द्वारा किये गये कार्यों तथा प्रकल्पों की जानकारी दी एवं उन्हें याद दिलाया की जब वे मुख्यमंत्री थे तब साल का एक कार्यक्रम भारत विकास परिषद् का अटेंड करने का वादा किया था। प्रधान मंत्री जी ने परिषद् से अपने संबन्धों की यादें ताजा की।**

**भाईंदर :** शाखा द्वारा चौपाटी के जैसलपार्क मे राम भक्ति, राष्ट्रभक्ति कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। चित्रकार बाबा सत्यनारायण मौर्य की कलाकृति रामभक्ति मंच पर ली थी। बाबा के जोशीले काव्य और तीखे व्यंगों की परिचित शैली में प्रस्तुत किया। श्रोताओं ने हाथ पर दीपक जलाकर पुष्प वर्षा व आतिशबाजी की। महापौर गीता जैन, नरेन्द्र मेहता, प्रताप सरनाइक के साथ अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। क्षेत्रीय संरक्षक वीरेन्द्र याज्ञनिक तथा ओ.पी.कानूनगो ने भी विचार व्यक्त किये। अध्यक्ष मुकेश मित्तल ने आभार किया।

## पंजाब उत्तर

**टैगोर लुधियाना :** शाखा द्वारा बाल मजदूरी कर रहे बच्चों को गर्म कपड़े दिये गये। जरूरतमंद 118 लड़कियों को एक लाख चौवन हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी गई। 35 जरूरतमंदों को हियरिंग एड मशीन दी गई। स्कूल में 100 कॉपियाँ, पेंसिल दी गई।

**जालंधर-गौरव :** शाखा द्वारा 140 बच्चों को ड्रेस वितरण किया गया। शाखा द्वारा संचालित पहला कदम स्कूल के बच्चों को छात्रवृत्ति दी गई। मेडिकल कैम्प में 110 मरीजों का परीक्षण किया गया।

**तलवारा :** शाखा द्वारा गरीब कन्या की जीविका के लिए सिलाई मशीन दी गई।

## पंजाब पूर्व

**चण्डीगढ़ पश्चिम-2 :** शाखा द्वारा तीन मंदिरों पर गौ ग्रास योजना का शुभारम्भ सेक्टर 38, 40, 24 के मंदिरों पर गऊ ग्रास के लिए बर्तन रखे गये। इन बर्तनों में रोटी, गुड़, चारा आदि गायों के लिए बड़ी मात्रा में एकत्र हुआ। सचिव सुभाष मारवाह द्वारा प्रेषित।

## हरियाणा पश्चिम

**हांसी :** शाखा द्वारा अशोक कनौजिया निदेशक पिछड़ा वर्ग विकास निगम नियुक्त होने पर नगर की शैक्षिक, सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं द्वारा उनका सम्मान किया गया। शाखा द्वारा स्कूल में बैडमिन्टन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में पूजा और दीपिका वरिष्ठ वर्ग और मनीष और पंकज ने बाजी मारी। कनिष्ठ वर्ग में मोनिका और नेहा तथा कुशल और सौरभ ने बाजी मारी।

## हरियाणा उत्तर

**अम्बाला छावनी सदर :** शाखा द्वारा छः मास का

पाठ्यक्रम सिलाई, कढ़ाई केन्द्र पर पूरा करने के बाद छात्राओं को प्रमाण पत्र दिये गये। पिछले वर्षो से इस केन्द्र पर अबतक 1500 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। प्रो.एम.के.शर्मा प्रभारी ने बताया कि केन्द्र की महिलाओं ने इसे जीविका का साधन बना लिया है।

**करनाल अभिमन्यु :** शाखा द्वारा पारिवारिक सत्संग में कविता मल्होत्रा के निर्देशन में महिला बैठक आयोजन हुआ। जरूरतमंद महिलाओं को 5 सिलाई मशीने भेंट की गई।

**कैथल :** शाखा द्वारा सुन्दर काण्ड, महिला सम्मेलन, लोहड़ी उत्सव तथा गणतंत्र दिवस का आयोजन किया गया।

## दिल्ली दक्षिण

**जनकपुरी-ए ब्लॉक :** शाखा द्वारा सिन्ध से आये शरणार्थियों को 115 कम्बल दिये गये। 2 निर्धन कन्याओं के विवाह में सहयोग किया गया। डेंटल वैन के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में दन्त परीक्षण कराया गया। स्वदेशी चिकित्सा पर गोष्ठी का आयोजन हुआ।

## दिल्ली उत्तर

**महर्षि दयानन्द शालीमार बाग :** शाखा द्वारा 28 फरवरी को 14वां ग्यारह कुण्डलीय यज्ञ आर्य समाज, बीडी ब्लॉक, शालीमार बाग के सहयोग से ए.सी. ब्लॉक अपना पार्क में किया गया जिसमें 44 यजमान श्रीमती एवं श्री तरुण मल्होत्रा सहित लगभग 150 लोगों ने मंत्रोचाण करते हुए आहुति दी। प्रान्तीय अध्यक्ष संजीव मिगलानी और स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों का सानिध्य रहा। शाखा सचिव राधेश्याम अग्रवाल, जगदीश राम जिन्दल, बजरंगदास जिन्दल, सुशील अग्रवाल व अन्य सदस्य उपस्थित रहे। शाखा संरक्षक एम.एल.गक्खड़ ने परिषद् के बारे में विस्तार से बताया। यज्ञ के पश्चात प्रसाद का वितरण किया गया।

## मध्य भारत उत्तर

**वीर तात्याटोपे ( शिवपुरी ) :** शाखा द्वारा गणतंत्र दिवस पर वन्दे मातरम् बोलो लक्की ड्रॉ का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में फोन पर वन्दे मातरम् बोलने के लिए श्योपुर, ग्वालियर, भिण्ड, मुरैना, गुना, आगरा, झाँसी, कोटा, चेन्नई के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। देशभक्ति जागरण के इस कार्यक्रम में दो घण्टे के सीमित समय में 2856 फोन कॉल आयोजकों को प्राप्त हुए। लक्की ड्रॉ के आधार पर प्रथम आशिक अली, द्वितीय लुकवासा की रजनी जैन, तृतीय कोलारस के अरविन्द कुमार को मिला। सान्तवनां के 11 पुरस्कार सीमा, उमा, दिनेश, सरीता, जतिन, दिलीप, दिनेश शुक्ला, दीपिका, दिनेश कुशवाहा, राम चन्द्र, अमन को प्राप्त हुए।

**डबरा :** शाखा द्वारा ब्रन्दा सहाय महाविद्यालय में बसंत पंचमी पर सरस्वती पूजा किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में स्वच्छता अभियान पर चित्र बनाए गये। बच्चों को ज्योति अग्रवाल ने पुरस्कृत किया। बाला जी स्कूल के बच्चों ने स्वच्छता अभियान चलाया।

## असम

**तेजपुर :** शाखा द्वारा असम के मोगली बिहू का उत्सव सम्पन्न हुआ। 160 कम्बलों का वितरण नोलेनिडवा, घाटगांव और सोलागांव में किया गया। गणतंत्र दिवस पर क्लीन इंडिया के अन्तर्गत स्वच्छता अभियान लिया गया। इसके अन्तर्गत ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे गणेश घाट की सफाई की गई।

## JAMMU & KASHMIR

**Jammu West:** Republic Day was celebrated by the Branch members at Sarwal Chowk with great fervour and enthusiasm. PARIVAR SANSKAR/SAMPARK MILAN TRIP was conducted to Pondicherry/ Kanchipuram/Vellour/ Romeshwarm/ Kanyakumari from 24 to 31st January in which 22 members participated.

## PUNJAB SOUTH

**Jaitu :** Under the Mass marriage project, marriage of three poor & needy girls was arranged at BVP Bhawan Jaitu on 31/1/2016. All needful things were given to the newly wed couples. Anand Karj was done in the presence of Guru Granth Sahib. This project costed about 150000/-.

## PUNJAB NORTH

**Dr. Kitchlu, Ludhiana :** For good health, happiness, prosperity and welfare for all in the society, HAWAN-YAGYA and Prayers were organized on January 31, 2016 at the residence of Mrs. Meena & Mr. Ashoka Sachdeva. Shri Rajedra Shastri ji of Arya Samaj, Model Town was the Yagya Brahma. In addition to conduction the HAWAN-YAGYA, he also gave an educative discourage on the usefulness, basic philosophy and procedures of the Yajya-Hawan in our daily life. About 45 members joined and enjoyed the divine environment.

**Urban State Jalandhar :** Branch donated Rs. 51000/- to Nd Victor Sr. Secondary School to help the poor and needy students.

**Gurdaspur :** The 150th jyanti of Lala Lajpat Rai was celebrated in the HRA International School Gurdaspur. The function was presided over by Smt. Ravinder Kaur principal. The students made speeches about Lalaji and they were awarded. Sh Jagdish Raj Arora main speaker of the Day delivered an impressive speech about the life of Lala Lajpat Rai. Sh Hira Mani Aggarwal, chairman of the school and

Smt. Ravinder Kaur Principal praised and thanked the Bvp team.

## PUNJAB EAST

**Ghagga :** Branch had organised first kabbadi cup in Ghagga. This kabbadi cup was 28 & 29 Jan 2016. The chief guest of first day in this kabbadi cup was madam Sheema Joshi President of Bharat vikas parishadPunjab East with Baljinder Bitu ,Gopal sharma & all state , region ,distt team, On 2nd day bibi Vinder kaur Lumba M.L.A. Shutrana.In this kabbadi cup the first prize was 41000 2nd 31000 Rs 21000 Rs 18000 Rs 15000 Rs 11000 in four categories.The total amount of this project was Rs 5 lakh. Our 2nd partner was Nagar pancyant Ghagga in this kabbadi cup.

**Chandigarh East :** Branch organized a mass marriage at Laxmi Narayan Mandir. 9 poor and needy girls were married in a well-organized function. Marriage ceremony was followed by dinner for 800 people.

## HARYANA NORTH

**Siwan, Kaithal :** Branch organized Saral Marriage of five couples solemnized on 12th February by branch Dr. K.K. Khurana Prantiya General Secretary, Prof. M.P. Gupta, Patron Dr. Ashok Garg & many state functionaries blessed the newly weds. Assistance of more than one lakh collected from public & own funds was given to each of the couple to start their newly married life. Approx.. three hundred members were present there.

**Suraj Panchkula :** the branch started a student development Centre for coaching of Jr. Class students organized a Picnic – Cum - Praudh Goshthi where A.P.Goyal addressed a joint meeting to emphasize praudh sanskar

## PRAYAG

**Tejaswini** : The branch created awareness against cancer in poor and Jhuggi Basti. Usha, Mutani and Madhubala were present.

## ASSAM

**Karimganj :** Branch organized an Agriculture Training Camp at village Malua. Agriculture socialist Sri Bhesker Baruah and Ranjit Bordoloi gave valuable advice on improved technology and increase in crop production.

## GUJARAT CENTRAL

**Anandnagar :** Branch distributed 25 sewing machines to the poor and widows women by Courtesy of Saurashtra prant. Donar Shri Rajeshgiri Premgiri Goswami was felicitated by the branch.

## MAHARASHTRA-I

**Mumbai :** The branch launched '*Beti Bachao Beti Parao',* Rao Saheb Danve Minister for Bal Kalyan and Pankaj Tai Munda expressed her cooperation from the center.

## KARNATAKA SOUTH

**Vidyaranya, Bengaluru :** Branch arranged for distribution of prizes to the best four of the participants from schools in Essay Writing competition held in connection with Birthday celebrations of Swami Vivekananda in January 2016. Shri M.Vittoba Setty, Prant General Secretary gave away prizes to the winning students from Cadambi,New Cambridge, and Cordial Schools. Shri K.V.Rao, Shakha President spoke appreciatively about the standard of performance of the students. Branch organised GVCA Programme at Shree Sharada Education Centre,Vijayanagar,Bangalore on 8th February 2016. Three outstanding and experienced Teachers identified this year by the Principal of the Institution Smt. Geetha were honoured and the teachers in turn felicitated and blessed 7 toppers among the students.The Teachers(Gurus) honoured are Smt.Kavita, Smt.Shashikala and Kumari Shobharani.The students (Chathras) felicitated are Chiranjeevis Bhavani Singh,Shankar,Kishan, Abhishekh , Somasekhar and Kum.Darshini and Kum.Monisha. Shri K.V.Rao, Shakha President who led the mandatory "Oath-Taking" by the gathering

## TELANGANA

As a part of "Swami Vivekananda Birth Anniversary – Youth Day " celebrations, BVP Telangana Prant has organised Prant Level Essay Writing & Elocution Competition for school children at Hyderabad on Sunday, 7th February, 2016 in a big way. Top two students (1st & 2nd Prize Winners) in each category (Juniors & Seniors) from Branches were invited to take part in the event. In all, 35 students from 12 Schools have participated in the event. The topics given to Juniors for Essay Writing - Life and message of Swami Vivekananda, Elocution: - Swami Vivekananda: A Patriotic Saint. To Seniors for Essay Writing on Life history of Sardar Vallab Bhai Patel, Elocution on Contribution of Sardar Patel in Freedom Struggle & Integration of India. Students have demonstrated excellent skills both in Essay Writing and Elocution. Prizes were given to above winners and Participation Certificates were given to all the students.

## TAMILANDU & PONDICHERRY

**Anna Nagar :** Branch successfully conducted Sudarshani 2016 a visionary women programme on the theme work life balance for women. A panel discussion and essay writing and poster competition was held as a part of event reported Shri G.N. Balaji secretary.

***

# इतिहास के झरोखे में नवसंवत्सर

भारत का सर्वमान्य संवत विक्रम संवत है, जिसका प्रारम्भ चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से होता है। ब्रह्म पुराण के अनुसार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को ही सृष्टि का प्रारम्भ हुआ था और इसी दिन भारतवर्ष में काल गणना प्रारम्भ हुई थी। कहा है कि :

चैत्र मासे जगद्ब्रह्म समग्र प्रथमेऽनि

शुक्ल पक्षे समग्रे तु सदा सूर्योदये सति। - ब्रह्म पुराण

चैत्र शुक्ल की प्रतिपदा बसंत ऋतु में आती है। बसंत ऋतु में वृक्ष, लता फूलों लदकर आह्लादित होते हैं जिसे मधुमास भी कहते हैं। इतना ही यह बसंत ऋतु समस्त चराचर को प्रेमाविष्ट करके समूची धरती को विभिन्न प्रकार के फूलों से अलंकृत कर जन मानस में नववर्ष की उल्लास, उमंग तथा मादकता का संचार करती है।

नव संवत्सर का इतिहास बताता है कि इसका आरम्भकर्ता शकरि महराज विक्रमादित्य थे। कहा जाता है कि देश की अक्षुण्ण भारतीय संस्कृति और शान्ति को भंग करने के लिए उत्तर पश्चिम और उत्तर से विदेशी शासकों एवं जातियों ने इस देश पर आक्रमण किए और अनेक भूखण्डों पर अपना अधिकार कर लिया और अत्याचार किए जिनमें एक क्रूर जाति के शक तथा हूण थे।

ये लोग पारस कुश से सिंध आए थे। सिंध से सौराष्ट्र, गुजारत एवं महाराष्ट्र में फैल गए और दक्षिण गुजरात से इन लोगों ने उज्जयिनी पर आक्रमण किया। शकों ने समूची उज्जयिनी को पूरी तरह विध्वंस कर दिया और इस तरह इनका साम्राज्य शक विदिशा और मथुरा तक फैल गया। इनके क्रूर अत्याचारों से जनता में त्राहि-त्राहि मच गई, तो मालवा के प्रमुख नायक विक्रमादित्य के नेतृत्व में देश की जनता और राजशक्तियाँ उठ खड़ी हुई और इन विदेशियों को खदेड़ कर बाहर कर दिया।

इस तरह महाराज विक्रमादित्य ने शकों को पराजित कर नए युग का सूत्रपात किया जिसे विक्रमी संवत् कहा जाता है।

राजा विक्रमादित्य की वीरता तथा युद्ध कौशल पर अनेक प्रशस्ति पत्र तथा शिलालेख लिखे गए जिसमें यह लिखा गया कि ईशा पूर्व 57 में शकों पर भीषण आक्रमण कर विजय प्राप्त की।

**सम्पूर्ण देश में नवसंवत्सर मनाया जाता है:**

- आन्ध्र प्रदेश में युगाधि या उगादि तिथि कहकर इस सत्य की उद्घोषणा की जाती है। वीर विक्रमादित्य की विजय गाथा का वर्णन अरबी कवि जरहाम किनतोई ने अपनी पुस्तक 'शायर उल ओकुल' में किया है।
- सिन्धु में नव संवत्सर को 'चेटी चंडो' चैत्र का चंद्र नाम से पुकारा जाता है जिसे सिंधी हर्षोल्लास से मनाते हैं।
- कश्मीर में यह पर्व 'नौरोज' के नाम से मनाया जाता है जिसका उल्लेख पंड़ित जवाहरलाल नेहरु ने अपनी आत्मकथा में लिखा है कि वर्ष प्रतिपदा 'नौरोज यानी' न्यूरोज अर्थात् नया शुभ प्रभात जिसमें लड़के-लड़कियाँ नए वस्त्र पहनकर बड़े धूमधाम से मनाते हैं।
- हिन्दू संस्कृति के अनुसार नव संवत्सर पर कलश स्थापना कर नौ दिन का व्रत रखकर माँ दुर्गा की पूजा प्रारम्भ कर नवमीं के दिन हवन कर माँ भगवती से सुख-शान्ति तथा कल्याण की प्रार्थना की जाती है। जिसमें सभी लोग सात्विक भोजना, व्रत, उपवास, फलाहार कर नए भगवा झण्डे तोरण द्वार पर बांधकर हर्षोल्लास से मनाते है।

**कैसे करें नवसंवत्सर का पूजन :**

- इस दिन प्रात: नित्य कर्म कर तेल का उबटन लगाकर स्नान आदि से शुद्ध एवं पवित्र होकर हाथ में गंध, अक्षत, पुष्प और जल लेकर देश काल के उच्चारण करें। इससे सुख समृद्धि प्राप्त होती है।
- पूजन के पश्चात विविध प्रकार के उत्तम और सात्विक पदार्थों से ब्राह्मणों को भोजन कराने के बाद स्वयं भोजन करना चाहिए।
- इस दिन पचांग श्रवण करें।
- इस दिन नया वस्त्र धारण करना चाहिए तथा घर को भगवा ध्वज, पताका, बंधनवार आदि से सजाना चाहिए।
- इस दिन नवरात्रि के लिए घटस्थापना और तिलक व्रत भी किया जाता है। इस व्रत में यथा संभव नदी, सरोवर अथवा घर पर स्नान करके संवत्सर की मूर्ति बनाकर उसका 'चैत्राय नम:', वसन्ताय नम:' आदि नाम मंत्रों से पूजन करना चाहिए। इसके बाद पूजन अर्चन करना चाहिए।

## निराशा के पार

आशा और निराशा सिक्के के दो पहलू है। आशा है तो हौसले हैं, हौसले हैं तो उम्मीद है, उम्मीद है तो सफलता है। इसके विपरीत निराशा है, तो कुछ भी नहीं है। न हौसले, न उम्मीद और न ही सफलता। निराशा क्या है? निराशा एक मनोदशा है, जो काम के प्रति अरूचि को दर्शाती है। निराश व्यक्ति उदास, दुखी,बेबस, चिडचिड़ा और बेचैन हो जाता है। निराश व्यक्ति अपने आपको इतना हताश पाता है कि उसके दिमाग में आत्महत्या करने तक का ख्याल आने लगता है। निराशा के भंवर से निकलने के कई रास्ते हैं। जिस तरह हर अंधेरी रात के बाद उजली सुबह होती है, उसी तरह निराशा के पार आशा की किरण है। बस हमारे-आपके देखने का फर्क है। कुछ लोग निराशा के अंधकार में ही खोए रहते हैं। अंधेरे को देखकर उन्हें लगता है कि अधेरा ही सब कुछ है, जबकि बाकी लोग अंधकार में रहकर आशा के किरण की खोज करते हैं, क्योंकि वे अंधेरे की पहचान करके प्रकाश की खोज में निकल पड़ते हैं। जब अंधेरा है तो प्रकाश भी होगा। जैसे जन्म है तो मृत्यु होगी ही। बात गांठ बांध लें कि अंधेरे का जन्म हुआ है, तो उसकी मृत्यु भी निश्चित है। एक राजा ने अपने सेनापति से कहा, दीवार पर कुछ ऐसा लिखो कि वह अच्छे और बुरे दोनों वक्त में याद करने लायक हो। सेनापति ने लिख, **यह समय भी कट जाएगा**। जी हाँ, न आशा स्थायी है और न निराशा। यह व्यक्ति के ऊपर है कि वह किसे अपने साथ रखता है - आशा को या निराशा को।

एक व्यक्ति को नदी पार करनी थी, लेकिन उसके पास नाव नहीं थी। किसी ने उससे पूछा कि ऐसे में वह नदी कैसे पार करेगा? उस व्यक्ति ने कहा, कश्तियाँ नहीं तो क्या, हौसले तो पास हैं। किसी व्यक्ति को बुरे से बुरे समय में भी हौसला और उम्मीद नहीं छोड़नी चाहिए। बस, अपने कर्म करते जाना चाहिए। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि निराशा के बादलों को हटाने का एक सरल उपाय यह है कि जीवन में जब कभी आपके मन पर निराशा की छाया पड़ने लगे, तो तुरंत उन क्षणों को याद करने की कोशिश करें, जब आपने कोई बहुत बड़ा या बहुत अच्छा काम किया था, किस तरह उस समय लोगों ने आपकी प्रशंसा की थी और आपको किसी नायक की तरह सराहा था। - **महर्षि ओ३म्**

## पाठक पत्र

- **राजेन्द्र दीवान-करौली ( राजस्थान )** - फरवरी के अंक में नशा विरोधी अभियान के बारे में विचारोतेजक लेख पढ़ा। प्रसन्नता हुई। युवा पीढ़ी को इस महामारी से बचाने के लिए यह आवश्यक है।
- **गोविन्द चावला जी** लिखते हैं नीति में हुए रोचक परिवर्तन के लिए हार्दिक बधाई। उपप्रधान,अम्बाला छावनी।
- जिस नीति के केवल सम्पादकीय पढ़ कर छोड़ देते थे। अब पूरी नीति का एक-एक पन्ना पढ़ने का मन करता है। सुरुचिपूर्ण कथा, लेख, कविताओं के लिए बधाई। -**उत्तराखण्ड पश्चिम**
- नीति के मुख पृष्ठ का दृश्य बहुत मोहक लगा। साधुवाद, **कमल भाटिया, शिवपुरी**
- **मुकन सिंह राठौड़** लिखते है कि नीति में हुए रोचक परिवर्तन के कारण यह पारिवारिक पत्रिका बन गई है। बधाई - राजस्थान मध्य प्रान्तीय अध्यक्ष

## ऊपर से थोपे हुए संस्कार

किसी ने अपने मित्र को भोजन पर बुलाया है। और जैसा किसी को भोजन पर बुला लो और घर में कलह होता है। पत्नी नाराज है। तो जो भोजन ग्यारह बजे बन जाना चाहिए, बारह बज गये, वह बन ही नहीं रहा था। मित्र की वजह से वह कुछ कह भी नहीं सकती। लेकिन भीतर तो पीड़ा है। वह लम्बा रही है समय को, बर्तन जोर से गिर रहे हैं, दरवाजे जोर से लगाये जा रहे हैं। करीब-करीब सब बच्चे पीटे जा चुके हैं। बड़ा शोरगुल मचा है। पति भी क्रुद्ध बैठा है। कुछ कह भी नहीं सकता। अब कहे भी क्या? मित्र के सामने कुछ कहना भी ठीक नहीं है। प्रतीक्षा करना ही उचित है। भूख लगी है और मित्र भी बैठा है और उसको भी दिखाई पड़ रहा है जो हो रहा है।

आखिर पत्नी ने भीतर से झाँका और कहा कि सुनो जी, खीर तो तैयार होने के करीब है, लेकिन शक्कर नहीं है। अब यह एक नया उपद्रव। ग्यारह बजे से नहीं कहा उसने कि शक्कर नहीं है। अब एक बजे हैं और मित्र सामने बैठा है तो मित्र की तरफ देखकर पति एकदम आगबबूला हो गया, उसने कहा-शक्कर नहीं है तो मेरा भेजा डाल दे। मित्र ने सोचा कि अब झंझट बढ़ेगा, मैं अकारण फंस गया। पत्नी ने कुछ न कहा। चुपचाप चली गई। लेकिन 15-20 मिनट बाद वह फिर आई और पति से बोली कि शक्कर नहीं है चाय कैसे बनेगी? अब तो पति और भी आगबबूला हो गया। उसने कहा एक दफा कह दिया कि मेरा भेजा डाल दे। उसकी पत्नी ने कहा कि भेजा तो खीर में डाल दिया अब चाय में क्या डालूं?

कहने का तात्पर्य यही है कि जब तक भीतर में कलह है, गहन घृणा का भाव किसी के प्रति है तब तक मनुष्य का संस्कारित होना सम्भव नहीं है। अत: सबसे पहले अपने आपको सुधारने से ही परिवार संस्कारति हो पाता है। -**बोध कथा**

**Find Facts:-**

India is progressing but Indian media never informed the facts to the viewers. It is diverting the minds of Indian people from positive development to negative things like intolerance beef politics, dividing country on the caste and religion basis. As an intelligent well wiser of the country you must think. During last 2 or 3 month when media was busy in telling about intolerance, Reservation movement. Beef & JNU Politics, some achievements in progress as under:

1. India struck a unique deal of oil with UAE for 4 million barrel of oil almost free for 5 years.
2. Indian railways auctioned scrap for 300 crore through online
3. Make in India event signed a commitment of 15.2 lakh crore
4. 800 cars were shipped from Chennai to Gujarat through water transport dropping the transport cost upto 60 percent.

**See the other important development are-**

i) World Bank appreciated the scheme of clean India and declared financial support of 1.5 billion dollars.

ii) Nuclear energy agreement between India & Japan most appreciated by invention for energy alternative supporting solar energy exploitation.

iii) In the coming year Google will provide free wifi for 100 railway stations and give job opportunity for 20 lakh youths.

iv) H.R.D. Ministry has planned CBSE books will be available online for free.

When the media and newspapers have lost their conscious for social responsibilities, 21'st our duty to reach the message at its maximum **-Dr. B.D.Patel**

## RAIN WATER HARVESTING SYSTEM TO BE INSTALLED IN DANTA & DARGAH

Possibilities for the Recharge of one un reachaged well, two dry tube wells. He advised how to recharge the from the school, hostel buildings roof rain water. The students of the school were shown a presentation on rain water harvesting & its use in their campus. They promised to maintain the system which is about to be installed. Dr. Jain explained the simple, cheap, free of maintenance system by which they can save crores of litrers of the rain water. In his second presentation he showed how the addiction affect their health both physical & mental health. So they best way to save themselves from addiction is to say No for nay addiction. Otherwise soon you will be in their grip. Dr. Jain visited the premises of the Dargah of Diwane Shah in Kapasan to see the possibilities of Roof top rain water harvesting there. Then he showed his presentation there by which he explained the simple technique of the rain water harvesting. They agreed to implement before this monsoon.

## कमीज़

जब भी कोई बड़ा त्योहार आता वह बेटे के लिए नये कपड़े जरूर खरीदता। समय बीता! वह बूढ़ा हो गया और और बेटा जवान। घर की व्यवस्था भी अब बेटा ही करता।

त्योहार निकलते जा रहे थे। उसके पास एक ही कमीज़ थी। दीवाली का त्योहार नजदीक था। वह बेटे से बोला–इस बार दीवाली पर मेरे लिए एक कमीज़ खरीद देना। वैसे भी मेरे पास एक ही कमीज़ है, वह भी पुरानी हो गई है।

पुरानी ही हुई है, फटी तो नहीं है न! जब फट जायेगी ला देंगे। वैसे भी दीवाली पर खर्च बहुत हो गया है। साफ सफाई, फूल, पटाखे पर काफी खर्च हो गया है। बेटे ने लम्बा चौड़ा भाषण दिया।, तो वह दुखी मन लिये चुप हो गया।

तभी घर के सामने एक कार रूकी। छोटा भाई आया था। अन्दर आया और पांव छूकर बोला–जाने क्यों दो–तीन दिन से आपकी बड़ी याद आ रही थी। इसलिए मिलने चला आया। छुट्टी नहीं थी, अभी वापस जाना है। फिर पैकेट देते हुए बोला–भैय्या आपके लिए दो कमीज़ लाया हूँ, लीजिए। **–नरेन्द्र**

## क्या हम भी कुछ कर सकते हैं?

मीडिया की गति के बारे में हम सब जानते हैं। सोशल मीडिया, नेटवर्किंग, व्हॉट्सएप्प पर समाचार और वीडियों वायरल होने की घटनाएँ चरम पर है। राजनेताओं के नोक झोक, सिने तारिकाओं के दृश्य, अदृश्य कथानक, उनकी आदते, विचार वायरल होने की चरम पर है। देश में अनेक प्रेरक और अनुकरणीय सामाजिक घटनाएँ होती है जो दिल को छू जाती है। नौजवानों के लिए प्रेरणा प्रद होती है। ऐसे कुछ समाचार :

- बुन्देलखण्ड में आमजन के सहयोग से रोटी बैंक चल रहा है। प्रतिदिन 4-6 रोटियाँ प्रति व्यक्ति एक स्थान पर जमा करते हैं उन्हें जरूरतमंद गरीब, भूखे, असहायों को बांटा जाता है।
- पुणे के रोहित इकोएड के द्वारा नगर को पोलीथिन मुक्त कराने में लगे है। रोहित, सुधीर और सत्य प्रकाश एक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से कागज के थैले बनाने का काम सिखाते हैं। जिससे महिलाएँ 3000/- प्रतिमास की आमदनी कर रही है।
- नारायण विहार के 3 बच्चे राष्ट्रीय विद्यालय खेल स्पर्धा में भाग ले रहे हैं। श्रीमती ममता कोछड़ के संस्कार केन्द्र मे से ये बच्चे अत्यन्त निर्धन परिवारों के हैं इन बच्चों के सपने जगे। सपनों को पूरा करते हुए ये बच्चे ताइक्वान्डो की स्पर्धा में भाग ले रहे हैं।
- इरादा बना लिया परिवर्तन की वयार बहने लगी। 35 वर्षीय मोहम्मद आकिल अपने मोहल्ले के बड़े बूढ़ों को अंगूठा लगाते देखते बड़ा दुखी होता। मित्रों से चर्चा की और जरूरतमंदों को शिक्षा देने की मुहिम चल पड़ी। पत्नी शाइज्ता और बेटी आलिया भी मदद करती है।
- जे.एन.यू. का एक रूप यह भी है। शोध छात्र तीर्थंकर भट्टाचार्य गरीब छात्रों को पढ़ाते हैं और आर्थिक दृष्टि से मदद भी करते है। काम करने वाले मजदूर की बेटी प्रियंका बघेल उनकी प्रेरणा से बी.ए.आनर्स कर रही हैं प्रियंका ने भी गरीबों को पढ़ाने का संकल्प लिया है।

-सभार-शिक्षा उत्थान

## करो तो कुछ ऐसा करो

वाराणसी के मेडिकेयर हस्पताल की डॉ. शिप्रा ने 'बेटी नहीं है बोझ, बदलेंगे हम सोच' योजना एक मिशन बन गई।। लगभग डेढ़ साल पहले जब किसी परिवार में बच्ची पैदा होती थी तो परिवार मायूस हो जाते थे। कभी-कभी कहते थे कि मेरी बेटी को चीर दिया और बेटी पैदा हो गई। इस मिशन के कारण सोच में परिवर्तन आया है। अब जब बेटी का जन्म होता है तो माहौल खुशनुमा होता है। इस अस्पताल में बेटियों के जन्म पर कोई फीस नहीं ली जाती। डॉ. शिप्रा इस मिशन को जीवन भर चलाना चाहती हैं। वरूणा शाखा वाराणसी की सदस्या के अस्पताल में 100वीं बेटी का जन्म 23 फरवरी, 2016 को हुआ। 25 जुलाई, 2014 को पहली बेटी का जन्म हुआ था। इस मिशन के कारण डॉ. शिप्रा को नोएडा शाखा द्वारा सम्मानित किया गया। वरूणा शाखा के अध्यक्ष डॉ. एम.के.श्रीवास्तव तथा डॉ. शिप्रा के काशी मेडिकेयर अस्पताल में 5 मार्च को 102वीं कन्या का जन्म हुआ। नि:शुल्क उेलीवरी के साथ कन्या को उपहार भी देती हैं वे शीघ्र ही सभी कन्याओं के परिजनों का एक सम्मेलन कर बच्चियों को कन्या समृद्धि योजना का खाता खुलवाकर उन्हें उपहार देंगी। - **बधाई डॉ. शिप्रा**।

मेरे दोस्त।

देश द्रोह के आरोप में जमानत पर रिहा होने के बाद कन्हैय्या का भावात्मक, व्यंगात्मक भाषण टी.वी. चैनलों पर ऐसे प्रसारित हुआ जैसे स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति का भाषण। सुनकर अच्छा लगा भारत माता की जय, सत्यमेव जयते में विश्वास जताया। अपनी माँ से बात नहीं करता था। जेल से लोटने पर गरीब माँ की याद आई। वे कहता है भुखमरी, भ्रष्टाचार और जातिवाद से उसे आज़ादी चाहिए। भाई इन कुरीतियों से तो भारत को ही आज़ादी चाहिए। यह तो देश का हर नौजवान चाहता है। इसलिए तो उसने विकासवाद चुना है। तुम कहते हो यह विचारधाराओं की लड़ाई है। हम भी मानते हैं यह राष्ट्रद्रोह वनाम राष्ट्रवाद की लड़ाई है। यह तर्क वनाम कुतर्क, हिंसा वनाम अहिंसा, दिखावा वनाम यथार्थ, नक्सलवाद वनाम विकासवाद की लड़ाई है। दुख हुआ तुम्हारे सुर बदले हैं, सोच नहीं बदली। मेरे युवा साथी मार्क्सवाद एक विचारधारा है जो संसार के अनेक देशों ने नकार दी है। इसका विकासवाद से कोई सरोकार नहीं है। यह क्रानित की बात करता है। खुशहाली की नहीं। यह दिवा स्वप्न है यथार्त नहीं।

- **अजीत रमन शाह**